

हिंदी

कक्षा V



केरल सरकार
शिक्षा विभाग
2016

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
केरल, तिरुवनंतपुरम

राष्ट्रगीत

जनगण-मन अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता ।
पंजाब-सिंध-गुजरात-मराठा,
द्राविड़-उत्कल-बंगा
विध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा,
उच्छ्वल जलधि तरंगा,
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मागे,
गाहे तव जय-गाथा
जनगण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय, जय हे ।

प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है। हम सब भारतवासी भाई-बहन हैं। हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है। इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है। हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न सदा करते रहेंगे। हम अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों का आदर करेंगे और सबके साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे। हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफ़ादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं। उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है।

Prepared by :

State Council of Educational Research and Training (SCERT)
Poojappura, Thiruvananthapuram 695012, Kerala

Website : www.scertkerala.gov.in

e-mail : scertkerala@gmail.com

Phone : 0471 - 2341883, Fax : 0471 - 2341869

First Edition : 2014, Reprint : 2016

Printed at : KBPS, Kakkanad, Kochi-30

© Department of Education, Government of Kerala

दो शब्द...

प्यारे बच्चों,

इस साल आप एक नई दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं, हिंदी की। हिंदी भारत की राजभाषा है, और विश्व भर में उसकी प्रबल सत्ता है। हिंदी साहित्य सर्जना सर्वाधिक है, विशाल एवं गहरी है। पाँचवीं कक्षा की इस पुस्तक में आपके लिए छोटी-छोटी कविताएँ, कहानियाँ, चित्र कथाएँ आदि समाहित हैं जो सरस एवं सारपूर्ण हैं।

आशा है कि यह किताब आपके हिंदी अध्ययन को सुचारू बना दे गी और हिंदी पठन-पाठन को प्रेरणा प्रदान करेगी।

शुभकामनाओं के साथ

डॉ. पी. ए. फ़ातिमा
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, केरल

अध्यापकों के लिए

पाँचवीं कक्षा के बच्चे हिंदी भाषा से परिचय पा रहे हैं। उनके लिए यह पहला कदम है। बच्चों को हिंदी भाषा के प्रति रुचि प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। इसके लिए बालगीत, चित्र-कथा, भाषाई खेल आदि का सहारा ले सकते हैं। इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर कुछ गतिविधियाँ तैयार की गई हैं। वह है ‘तलाश’। इसके लिए चार कालांश निर्धारित है। फिर हम पाठ्यपुस्तक की प्रक्रियाओं से गुज़रें।

किताब में प्रक्रियाओं के लिए संकेत चिह्न दिया गया है। उसके अनुसार ही कार्य चलाएँ। अधिगम उपलब्धियाँ हर इकाई के अंत में दी गई हैं, जिनसे आप पहले से परिचय पा एँ। निर्धारण कार्य भी करें। यदि छात्र अधिगम उपलब्धियाँ पाने में असमर्थ रहे तो उपचारात्मक गतिविधियाँ भी अपनाएँ। हर इकाई की शुरुआत चित्र से होती है। चित्रवाचन का अवसर दें। प्रश्नों के ज़रिए छात्रों को प्रतिक्रिया करने का अवसर भी दें। इकाइयों में अक्षर खेल दिया गया है। इसका सम्यक लाभ उठाएँ। ‘शब्दार्थ’ में शब्दों का प्रासंगिक अर्थ दिया गया है। कक्षा में आप हिंदी का माहौल बनाएँ। ऐ.सी.टी का भी यथासंभव उपयोग करें। आशा है कि आप इस पुस्तक का पूरा लाभ उठाएँगे और हिंदी भाषा के वाक्य विन्यास, वर्तनी, प्रयोग, सही उच्चारण आदि में पर्याप्त सहायता देंगे।

पाठ्यपुस्तक रचना

कक्षा पाँच
हिंदी

कार्यशाला के सदस्य

अध्यक्ष

डॉ.वी.पी मुहम्मद कुंज मेत्तर

परामर्शदाता

प्रोफसर एम.एस जयमोहन

विशेषज्ञ

डॉ.एच.परमेश्वरन

डॉ. के.जी. चंद्रबाबु

डॉ. बी. अशोक

डॉ. सजीव.के

बिजोय.पी, पालत्तायी यू.पी स्कूल, कण्णूर

प्रमोद.ओ, जी.एच.एस काप्पिसेट, वयनाड

शिवप्रसाद.एम.आर, जी.एच.एस उम्मीनी, पालक्काड

श्रीकुमार.एस, जी.यू.पी.एस.अयलूर, पालक्काड

संतोषकुमार.के, डयट, कोल्लम

वीरान.के, के.के.एम.एच.एस चीकोड, मलप्पुरम

मोहनन.के, बी.आर.सी तिरूर, मलप्पुरम

दिनेशन पाचोल, ए.यू.पी.एस पानूर, कण्णूर

दीपा.वी.एस.नायर, जी.एस.एन.डी.पी.यू.पी.एस.पट्टत्तानम

चित्रकार

सी.राजेंद्रन, ए.वी.जी.बी.एच.एस तषवा

एलियास.पी.वी, जी.एच.एस वेल्लमुंडा, वयनाड

ले-आउट

हरिदास.एम.ए

अकादमिक समायोजिका

डॉ.रेखा.आर.नायर

अनुसंधान अधिकारी, एस.सी.ई.आर.टी



राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, केरल
तिरुവनंतपुरम



आगे के पन्नों में...

1. अनमोल प्यार 9-19

प्यारी माँ	कविता
घर	विवरण
स्कूल के रास्ते में	वार्तालाप
पतंग के साथ	चित्र-कहानी

2. चाँद के साथ 20-34

क्या हुआ ?	लघु घटना
अस्पताल में	वार्तालाप
आसमान गिरा	चित्र-कहानी
चाँद के साथ	कविता

3. पीपल दादी की कथा 35-46

पीपल दादी की कथा	कहानी
जन्मदिन	पोस्टर
दिलेरा	कविता





आगे के पन्नों में...

4. गाँव की यादें

47-57

ददाजी के साथ
झूला
यादें

वार्तालाप
कविता
डायरी

5. सपना

58-68

बापूजी का सपना
कवि का सपना
बूँद का सपना

लेख
कविता
कहानी

6. बाँसुरी

69-81

मनु और बाँसुरी
रोती क्यों?
बाँसुरी की सोच
बाँसुरी

कहानी
वार्तालाप
सोच
कविता

7. दोस्ती

82-100

मिलते हैं इसमें सब
एक पल ज़िदगी का
चमकती आँखें

कविता
कहानी
कहानी



तस्वीरें बताती हैं।



छात्र लिखें



छात्र सृजन करें



छात्र पढ़ें



छात्र बनाएँ



छात्र खोजें



ग्रूप चर्चा



छात्र अनुबद्ध कार्य करें



आपसी आकलन



छात्र बताएँ



छात्र स्व-आकलन करें



छात्र एक साथ गाएँ



अध्यापिका कहें



अध्यापक का आकलन

इकाई एक

अनमोल प्यार...



सीना...
ग्यारह साल की लड़की।
आज स्कूल का पहला दिन...
माँ खाना खिला रही हैं।
उसने सोचा 'कितनी प्यारी माँ...''

प्यारी माँ

प्यारी-प्यारी अम्मा मेरी,
मीठे-मीठे गीत सुनाती,
ताज़ा-ताज़ा दूध पिलाती,
तरह-तरह का खाना देती।

मेरी सारी बातें सुनती,
अच्छी-अच्छी सीखें देती,
संग सुलाती सुबह जगाती,
कितनी प्यारी अम्मा मेरी।



समान शब्दों के नीचे रेखा खींचें।

जैसे : प्यारी-प्यारी अम्मा मेरी

सीना स्कूल जा रही है।



चित्र में क्या-क्या हैं?
चित्र में कौन-कौन हैं?
सीना कहाँ जा रही है?



घर

यह सीना का घर है।

सीना के घर में माताजी, पिताजी और भाई हैं।



बताएँ, आपके घर में कौन-कौन हैं?

सीना स्कूल के रास्ते में।



क्या नाम है?

सीना,
और तुम...?







सीना की प्रोफाइल

नाम : सीना. के

कक्षा : पाँच

स्कूल : जी.यू.पी स्कूल वडकरा

आयु : ग्यारह



यह मेरी प्रोफाइल है।

नाम :

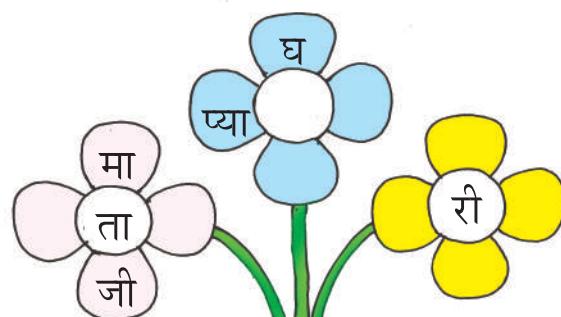
कक्षा :

स्कूल :

आयु :



शब्द बनाएँ ।



शाम को सीना पतंग के साथ

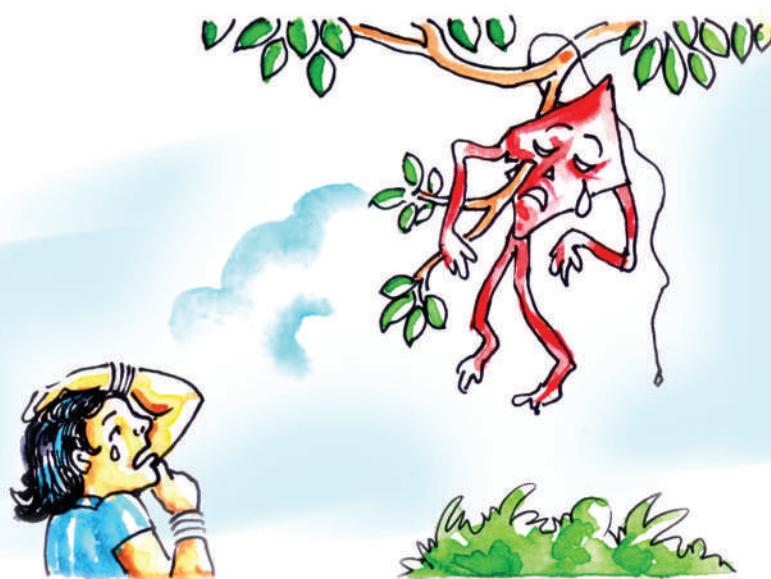
15



वाह...! कितनी सुंदर हो!



खुश हो न...?



क्या करूँ... ?



नहीं, वही पतंग चाहिए।

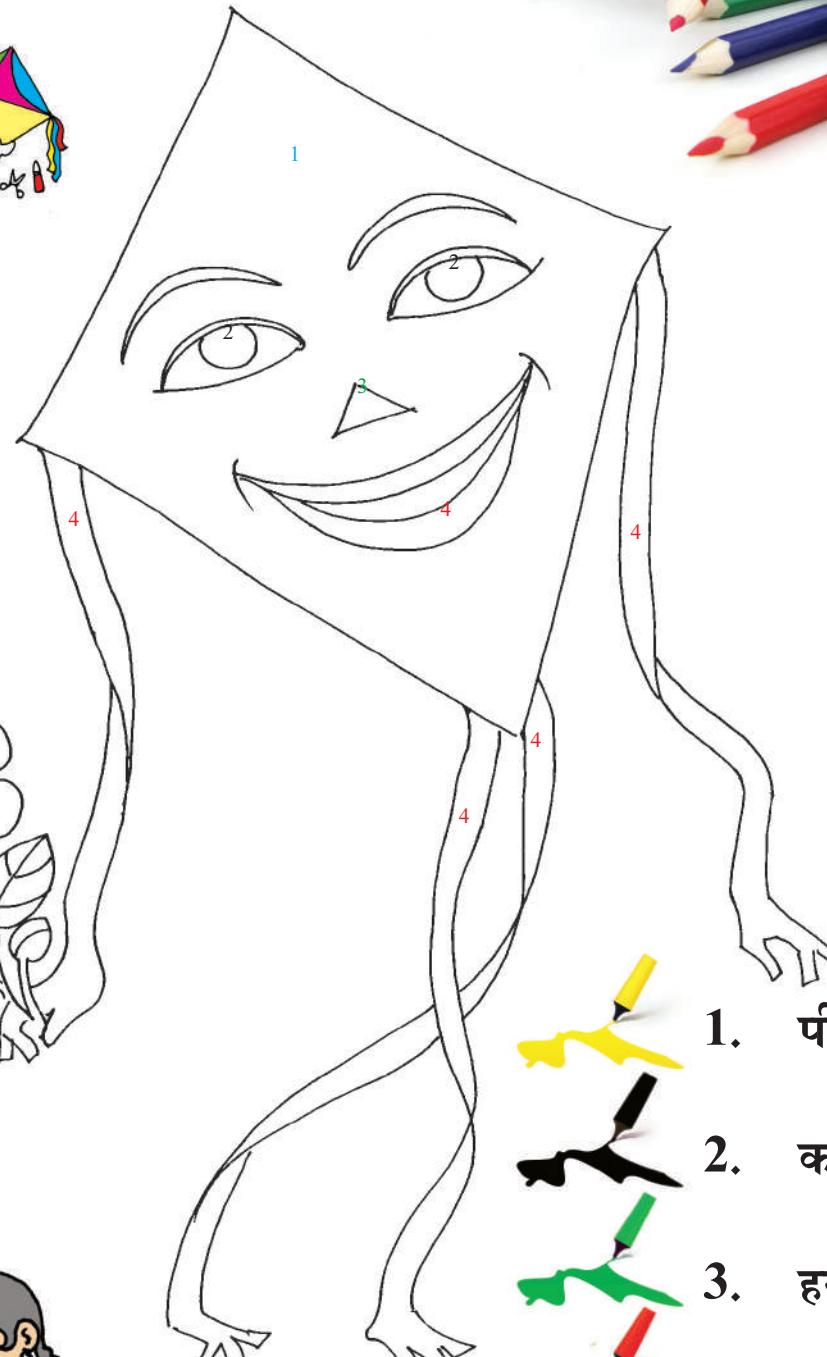
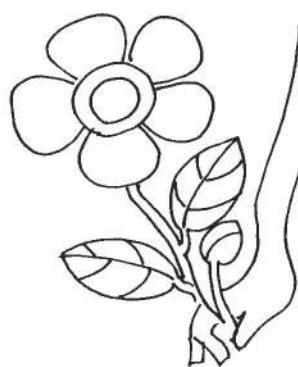


उफ...।



दर्द हुआ क्या?

रंग भरें



बताएँ, मेरा नाम...

1. पीला
2. काला
3. हरा
4. लाल

नाम दिया है, तो फूल को रंग दें।



શબ્દાર્થ

અનમોલ	precious	આમૃતયમાય
આયુ	age	પ્રાયং
કક્ષા	class	ક્લાસ
ખાના	food	ભેદભિન્ન
ગીત	song	પાર્ટ્
ઘર	home	વીક
તાજા	pure	શુદ્ધમાય
તરહ-તરહ કા	different kinds of	વિવિધતરતીલુણુણુણ
દેતા	give	નાલેકુણુ
દર્દ	pain	વેદળ
દૂધ	milk	પાણી
પાંચવંચી કક્ષા	fifth standard	આયોંગરાં
પતંગ	kite	પડ્ઝ
એચાર	love	સંગેહાં
ભાઈ	brother	સહોદરા
માઁ	mother	આમા
મીઠા	sweet	મયુરમુણુણ
સુનાના	to make hear	કેશ્યાનીકુકુ
સંગ	together	બનીછ્ય
સુલાતી	to make sleep	ઉરકુણુ
સુબહ	dawn	પ્રભાત
જગાતી	to wake up	ઉલાદતુણુ
નામ	name	પેર
ખુશ	happy	સંગેઠાષમુણુણ
બચાઓ	save	રક્ષાનુ

અધિગમ ઉપલબ્ધિ

- તાલ-લય કે સાથ બાલગીત સુનકર આસ્વાદન ઔર આલાપન કરને કી ક્ષમતા પ્રાપ્ત કરતા હૈ।
- વિવરણ સુન-પઢ્યકર આશય ગ્રહણ કરને કી ક્ષમતા પ્રાપ્ત કરતા હૈ।
- વાર્તાલાપ કે દ્વારા દૈનિક જીવન મંને પ્રયુક્ત શબ્દો ઔર શૈલિયોં કો પહ્યાનતા હૈ।
- પ્રોફાઇલ તૈયાર કરતા હૈ।
- ચિત્રકથા સુન-પઢ્યકર આશય ગ્રહણ કરતા હૈ।

इकाई दो

चाँद के साथ



क्या हुआ?

कैसे हुआ?



पढ़ें क्या हुआ ?



विनु दोस्त के घर जा रहा था।

सड़क पर केले का छिलका पड़ा था।

छिलके पर साइकिल फिसल गई।

विनु नीचे गिरा। पैर पर चोट लगी।



कौन गिरा?

कैसे गिरा?

विनु अस्पताल में



क्या हुआ?



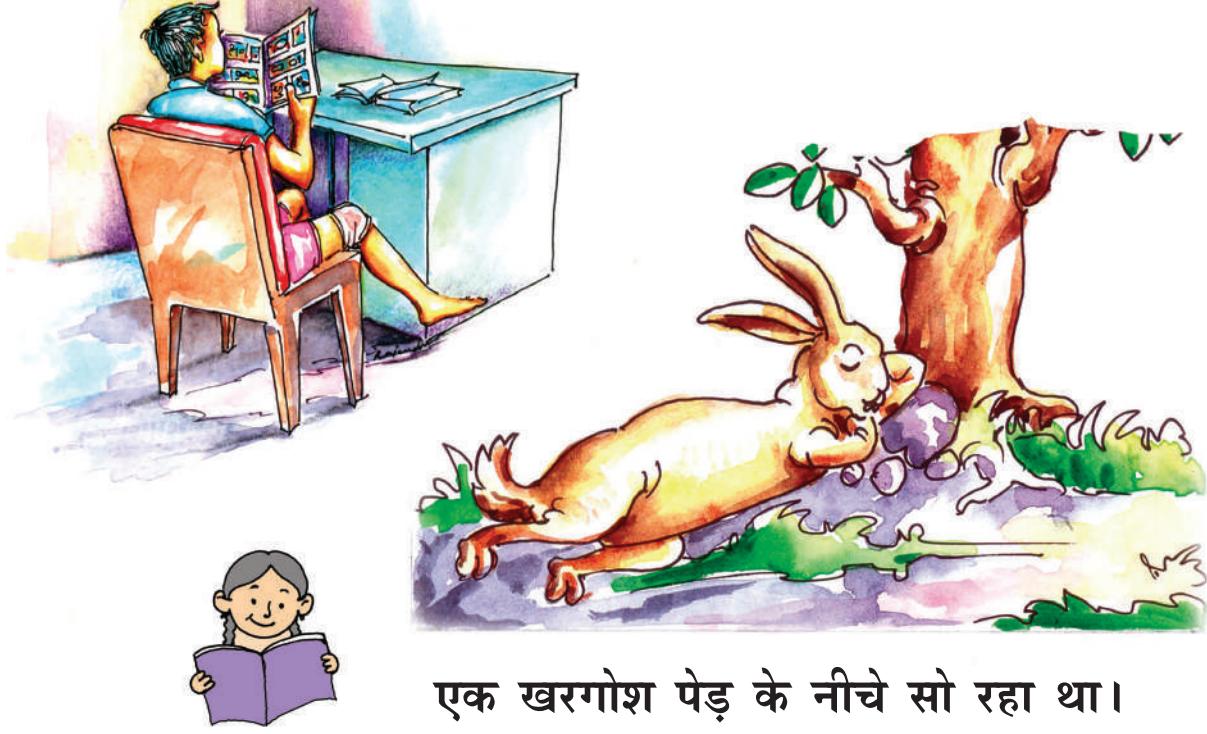
विनु ने क्या कहा होगा?

कुछ दिन
आराम करना है।

हाँ, जी
धन्यवाद।



विनु घर में



एक खरगोश पेड़ के नीचे सो रहा था।





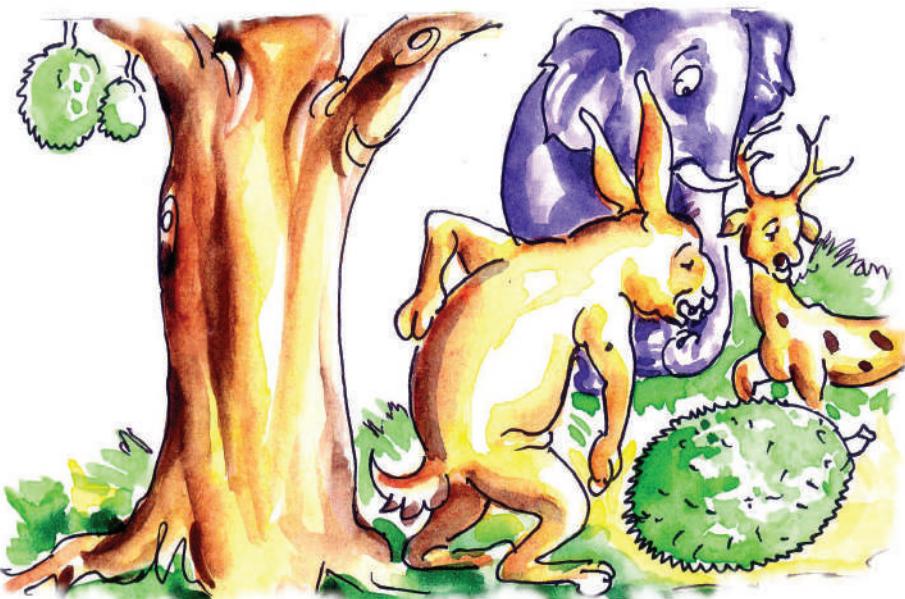
“आसमान नीचे गिरा...!”
वह चिल्लाकर भागा।



यह सुनकर लोमड़ी, भालू, हाथी,
हिरण, बंदर सब खरगोश के पीछे दौड़े।



दौड़-दौड़ कर वे उसी पेड़ के नीचे पहुँचे।



पेड़ के नीचे कटहल पड़ा था।
सभी को शरम आई और हँसने लगे।



परिचित जानवरों पर^१ गोला लगाएँ।

जिराफ़

बिल्ली

कुत्ता

गाय

हाथी

लोमड़ी

हिरण

बकरी

शेर

खरगोश

भालू

बंदर



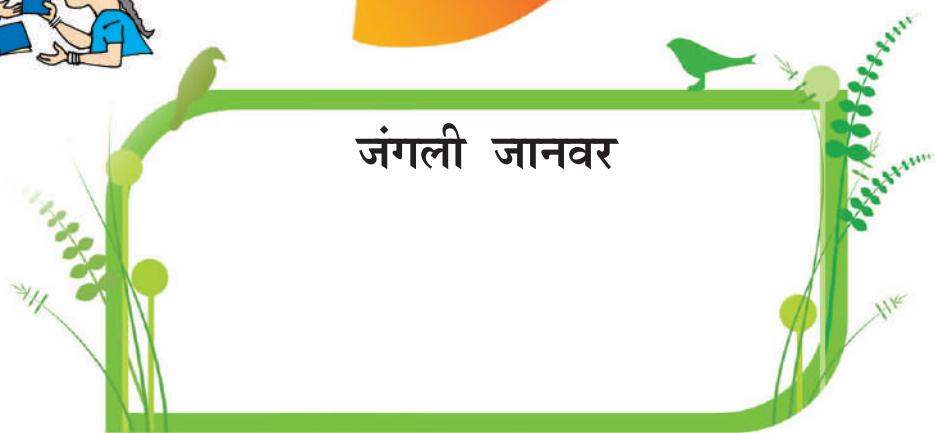
बाँटें



पालतू जानवर



जंगली जानवर



रात का समय
विनु भाई कुञ्जुमोन के साथ...
बरामदे में...

चाँद के साथ



चंदा मामा कितना प्यारा,
चेहरा कितना गोरा।
कभी मेघ में तुम छिप जाते,
कभी-कभी मुसकाते।

कभी न तुम छिप जाओ मामा,
मेरे आंगन आओ।
साथ मेरे तुम खेलो मामा,
मेरा दिल बहलाओ।

हर पंक्ति का अंतिम शब्द अलग करके लिखें।



बताएँ मैं कौन?



पैर नहीं, पर चलती हूँ।
णिड़ णिड़ करती जाती हूँ।

फलों में बड़ा हूँ।
काँटों से भरा हूँ।

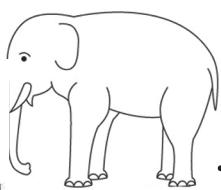
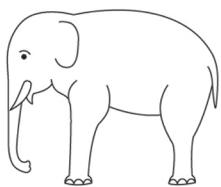
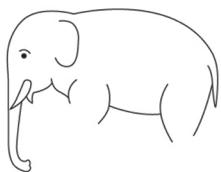
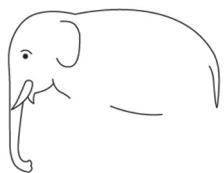
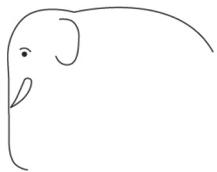
हाथ में हूँ, साथ में नहीं।
साथी में हूँ, साढ़ी में नहीं।



चित्र खींचें, नाम दें।



बताएँ मैं
कौन हूँ?



सही या गलत लिखें



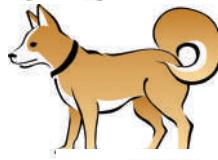


चित्र के स्थान पर शब्द जोड़ें, कहानी पढ़ें।

विनु एक दिन  पर बैठकर जंगल जा रहा था।

रास्ते में  और  से मिला। ‘हैलो’

बताते हुए आगे चला।  घास और  केला

खा रहे थे।  और  एक साथ खेल रहे थे।

 के पेड़ पर बैठ कर  टाटा बोला। विनु भी

टाटा बोला। वह  के ऊपर से नीचे गिरा और
चिल्लाने लगा। मामा-मामी दौड़कर आए, “क्या हुआ बेटा?”
“मैंने एक सपना देखा।” विनु ने कहा।



शीर्षक दें।



उलटा-पुलटा



न	आ	मा	स
म	ड़ी	लो	पु
ह	ल	क	ट
ग	पु	न	आं
इ	क	लो	स

अधिगम उपलब्धि

- घटना सुन-पढ़कर आशय ग्रहण करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- वार्तालाप के द्वारा दैनिक जीवन में प्रयोग करनेवाले शब्दों, प्रयोगों तथा शैलियों को पहचानता है।
- चित्रकथा सुन-पढ़कर आशय ग्रहण करता है।
- ताल-लय के साथ बाल गीत सुनकर आस्वादन और आलापन करता है।
- पहेलियाँ बुझाने की क्षमता प्राप्त करता है।
- लघु कहानी सुन-पढ़कर आशय ग्रहण करता है।

ശബ്ദാർത്ഥ

അചാനക്	suddenly	വൈട്ടുന്ന്
ആഗേ ചലാ	walked forward	മുന്നോട്ടു നടന്നു
ആരാമ കരനാ	take rest	വിശ്രമിക്കുക
അസ്പതാല്	hospital	ആശുപത്രി
ആസമാന	sky	ആകാശം
ആവാജ്	sound	ശബ്ദം
ആംഗന	courtyard	മുറ്റം
ഒരു സാ�	together	ഒരുമിച്ച്
കുട്ടാ	dog	നായ
കാംട്ടോ സേ ഭരാ	full of thorn	മുള്ളുള്ള നിറഞ്ഞ
കടഹല്	jack fruit	ചക്ര
കേലാ	banana	വാഴപ്പഴം
കേലേ കാ ഛിലകാ	banana peels	പഴത്തൊലി
ഖേലോ	play	കളിക്കു
ഖരഗോശ	rabbit	മുയൽ
ഗാംബ	village	ഗ്രാമം
ഗോരാ	white	വെളുത്ത
ഗലത്	wrong	തെറ്റ്
ഗായ	cow	പശു
ഘാസ്	grass	പുല്ല്
ചാംഡ്, ചെംഡ്	moon	ചന്ദ്രൻ
ചില്ലാനാ	cry loudly	ഉറക്ക കരയുക
ചോട്	wound	മുൻവ
ജംഗല്	forest	വനം
ചിപനാ	hide	മറയുക

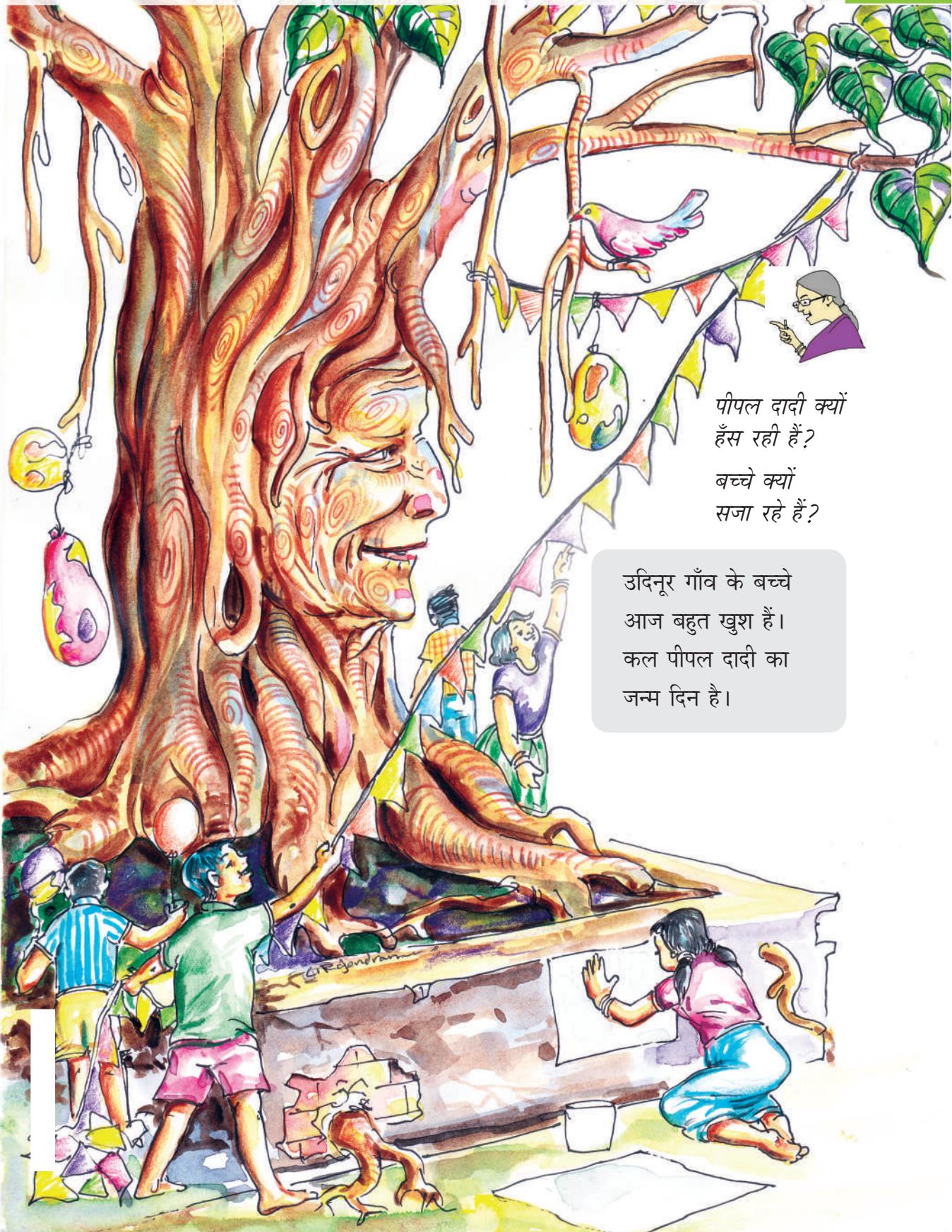
ശബ്ദാർ

ദോസ്ത	friend	സുഹൃത്ത്
ദൈഡാ	ran	ഇടി
ദിലി ബഹലാओ	make happy	സന്തോഷിപ്പിക്കു
ധന്യവാദ	thanks	നന്ദി
നീചേ ഗിരാ	fell down	വീണു
പൈര	leg	കാൽ
പേഡ്	tree	മരം
പാംചാ	reached	എത്തി
വരാമദാ	varandah	വരാന്ത
ബില്ലി	cat	പുച്ച
ബകരി	she goat	ആട്
ബൻദർ	monkey	കുറങ്ങ്
ഫിസല ഗൈ	slipped	വഴുതി വീണു
ഭരാ	filled with	നിറഞ്ഞ
ഭയാനക്	horrible	പേടിപ്പുടുത്തുന
ഭാഗാ	ran	ഇടി
ഭാലൂ	bear	കരടി
രാസ്തे മെൻ	on the way	വഴിയിൽ
സഹി	true	ശരിയായ
സേ മിലാ	met	കണ്ണുമുട്ടി
ശേര	lion	സിംഹം
ശാരം	shame	ലജ്ജ
ഹാത്	hand	കൈ
ഹാസ്നാ	to laugh	ചിരിക്കുക

पीपल दादी की कथा

इकाई तीन

35



पीपल दादी क्यों
हँस रही हैं?

बच्चे क्यों
सजा रहे हैं?

उदिनूर गाँव के बच्चे
आज बहुत खुश हैं।
कल पीपल दादी का
जन्म दिन है।

पीपल दादी की कथा

मैं पीपल का पेड़ हूँ। मैं नहीं जानती कि मेरी आयु कितनी है। लेकिन मुझे याद है, कई साल पहले किसी भले आदमी ने अगस्त के महीने मैं मुझे यहाँ लगाया था। हर साल इस गाँव के लोग एक अगस्त को मेरा जन्मदिन मनाते हैं। आज मैं बहुत खुश हूँ।

पीपल क्यों खुश है?

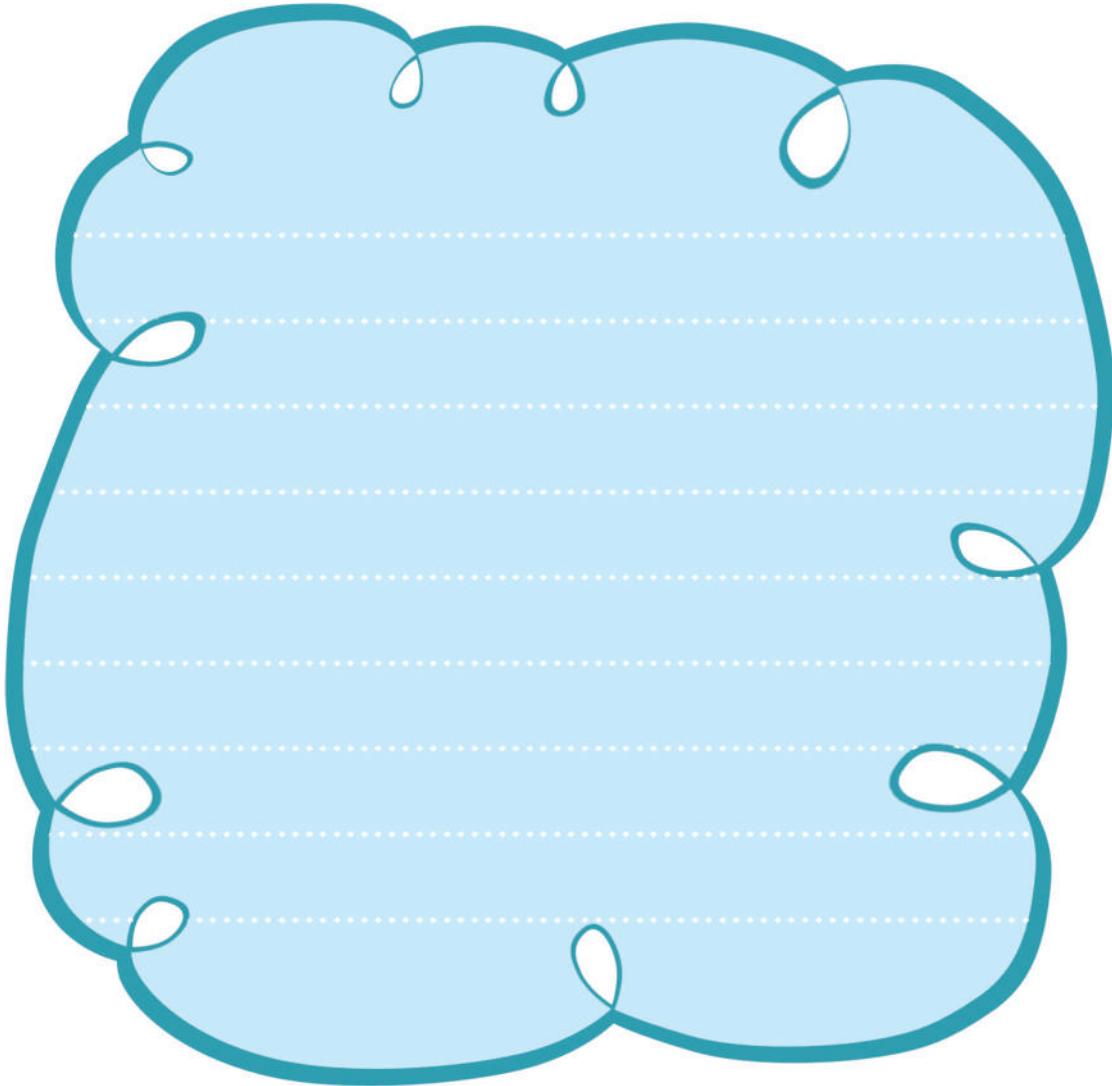




**पीपल ने अपने बारे में बताया।
आप भी अपने बारे में बताएँ...**



- आप का नाम क्या है?
- आयु कितनी है?
- कहाँ रहते हैं?
- किसके साथ रहते हैं?
- मित्र कौन-कौन हैं?





पीपल दाढ़ी के जन्मदिन में
उदिनूर गाँव में सब कहीं
उत्सव का धूम-धाम है।
रंग-बिरंगे गुब्बारे, तोरण आदि से
मैदान सजाया है।
पोस्टर भी लगाया है।



पीपल दाढ़ी का जन्मदिन समारोह

1 अगस्त
शुक्रवार
सुबह 9 बजे

उदिनूर मैदान में सभका स्वागत

स्वतंत्रता दिन
समारोह के लिए
पोस्टर बनाएँ



स्वतंत्रता दिन संबंधी शीर्षक है।

तारीख और स्थान हैं।

उचित चित्र खींचा है।

आकर्षक बनाया है।



दिलेरा

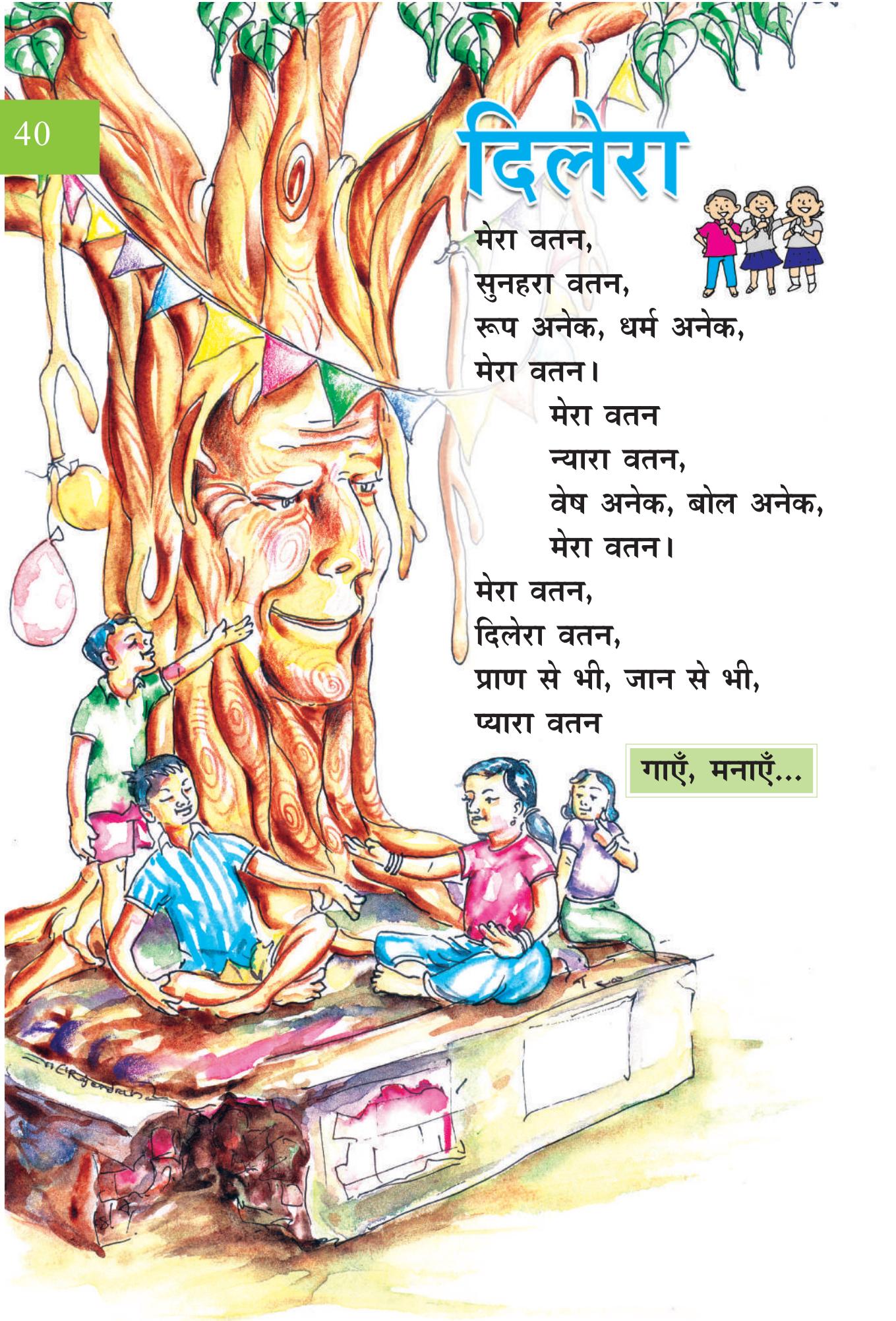


मेरा वतन,
सुनहरा वतन,
रूप अनेक, धर्म अनेक,
मेरा वतन।

मेरा वतन
न्यारा वतन,
वेष अनेक, बोल अनेक,
मेरा वतन।

मेरा वतन,
दिलेरा वतन,
प्राण से भी, जान से भी,
प्यारा वतन

गाएँ, मनाएँ...





मनोज की नाव

मनोज ग्यारह साल का लड़का।
घर में पिताजी, माताजी और दादी।
गाँव में नदी के पास एक छोटा घर।
घर के पीछे पहाड़।
वहाँ के जंगल में हाथी, भालू, लोमड़ी,
हिरण आदि जानवर।
घर के सामने पीपल, कटहल आदि के पेड़।





नाव चलाना उसका सपना था ।
 लेकिन माँ-बाप अनुमति नहीं देते थे ।
 एक दिन मनोज घर में अकेला था ।
 नाव चलाने का एक अच्छा अवसर मिल गया ।



वह नाव चलाने लगा।

“वाह! कितना मज़ा है...।

अचानक आकाश में बादल छा गए।

सूरज गायब। पानी बरसने लगा।



“बचाओ... बचाओ...” वह रोने लगा।

नाव नदी के बीच में...

एक पत्थर से टकराकर नाव टूट गई।

मनोज को चोट लगी। नाव पानी में डूब गई।

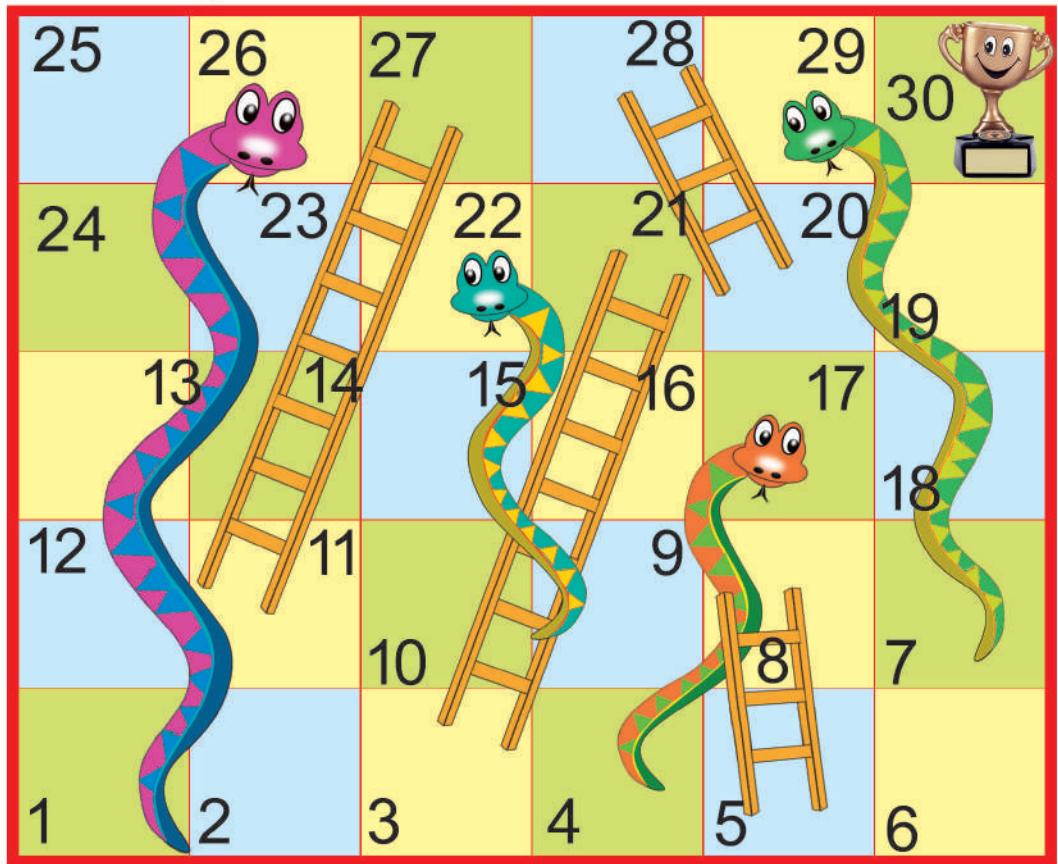
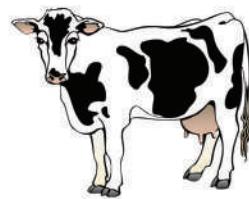


चिल्लाहट सुनकर कई लोग आए।
मनोज पूरी ताकत के साथ तैरने लगा।
किनारे पहुँचते ही थक गया। उसको देखकर
माँ-बाप खुश हुए। घर की ओर चलते-चलते
उसको माँ-बाप की बातें याद आईं।



खेलें, ट्रॉफी पाएँ...

45



ശബ്ദാർത്ഥ

അകേലാ	alone	തനിയെ
അനുമതി	permission	അനുവദം
പീപല	banyan tree	അരയാൽമരം
ജാനതാ	knows	അറിയുന്നു
യാദ	memory	ജാർഹം
സാല	year	വർഷം
സ്വതന്ത്രതാ ദിന	independence day	സ്വാതന്ത്ര്യദിനം
ജന്മദിന	birth day	ജന്മദിനം
ലറ്റകാ	boy	ആൺകുട്ടി
പഹാഡ്	mountain	പർവ്വതം
ജാനവര	animal	മൃഗം
കേ പാസ്	near	അരികെ
കേ പീഛേ	back	പിനിൽ
കേ സാമനേ	in front of	മുനിൽ
നാവ് ചലാനാ	to row a boat	തോണി തുച്ചയുക
സപ്നാ	dream	സ്വപ്നം
ബാദല്	cloud	മേഘം
ഛാ ഗए	spread	വ്യാപിച്ചു
സൂര്യ	sun	സൂര്യൻ
ഗായബ്	disappeared	അപ്രത്യുക്ഷമായ
ബരസനേ ലഗാ	started to rain	പെയ്യാൻ തുടങ്ങി
രോനാ	to cry	കരയുക
കേ ബീച് മേം	in the middle of	മധുജതിൽ
പത്ഥര്	stone	കല്ല്
ടക്കരാനാ	collide	കുടിമുട്ടുക

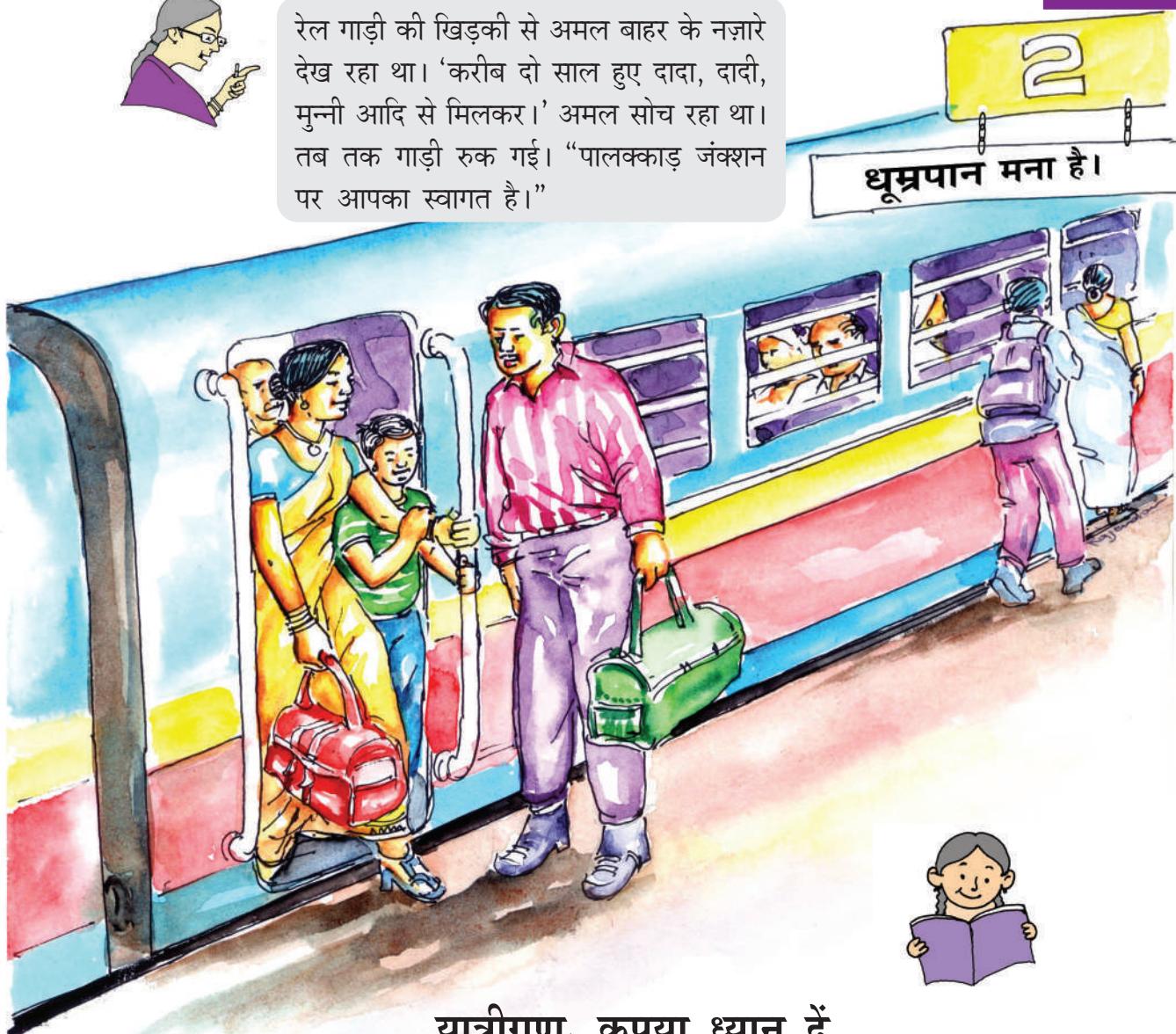
അധിഗമ ഉപലഭി

- ആത്മകഥാംശ സുനക്കരും പഠിക്കരും സമജ്ഞനേ കീ ക്ഷമതാ പ്രാപ്ത കരതാ ഹൈ।
- അപനേ ബാരേ മേം ലിഖനേ കീ ക്ഷമതാ പ്രാപ്ത കരതാ ഹൈ।
- പോസ്റ്റർ പഠിക്കരും ആശയ ഗ്രഹണ കരനേ കീ ക്ഷമതാ പ്രാപ്ത കരതാ ഹൈ।
- പോസ്റ്റർ തൈയാരു കരനേ കീ ക്ഷമതാ പ്രാപ്ത കരതാ ഹൈ।
- താല-ലയ കേ സാഥ ബാലഗീത് സുനക്കരും ആസ്വാദന ഔറു ആലാപന കരനേ കീ ക്ഷമതാ പ്രാപ്ത കരതാ ഹൈ।



रेल गाड़ी की खिड़की से अमल बाहर के नज़ारे देख रहा था। ‘करीब दो साल हुए दादा, दादी, मुन्नी आदि से मिलकर।’ अमल सोच रहा था। तब तक गाड़ी रुक गई। “पालककाड़ जंकशन पर आपका स्वागत है।”

धूम्रपान मना है।



यात्रीगण, कृपया ध्यान दें
गाड़ी संख्या एक-दो-दो-छह-नौ-पाँच
चेन्नै से तिरुवनंतपुरम तक जानेवाली
चेन्नै-तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस
प्लैटफॉर्म नंबर दो पर खड़ी है।

अमल कहाँ से आ रहा है?
कहाँ जा रहा है?



दादाजी ताड़ के
पेड़ के पास, खेतों के
बीच उनकी प्रतीक्षा
में खड़े थे। देखते ही अमल
दौड़कर उनसे लिपट गया।





“अमल...., कैसे हो बेटा...?”

“ठीक हूँ दादा जी, आप कैसे हैं?”

“हाँ मैं भी ठीक हूँ... चेन्नै कैसा है?”

“अच्छा है, लेकिन....”

“क्या हुआ बेटा....?”

“कोई दोस्त है ही नहीं, सब व्यस्त हैं।”



दोनों ने और क्या-क्या बातें की होंगी?

मामा के बारे में ...
दादी के बारे में...
स्कूल के बारे में...
गाँव के बारे में...
माँ-बाप के बारे में...

मुन्नी से मिलकर अमल खुश हुआ।
आम के पेड़ पर झूला लगाया था।
दोनों झूलने लगे।

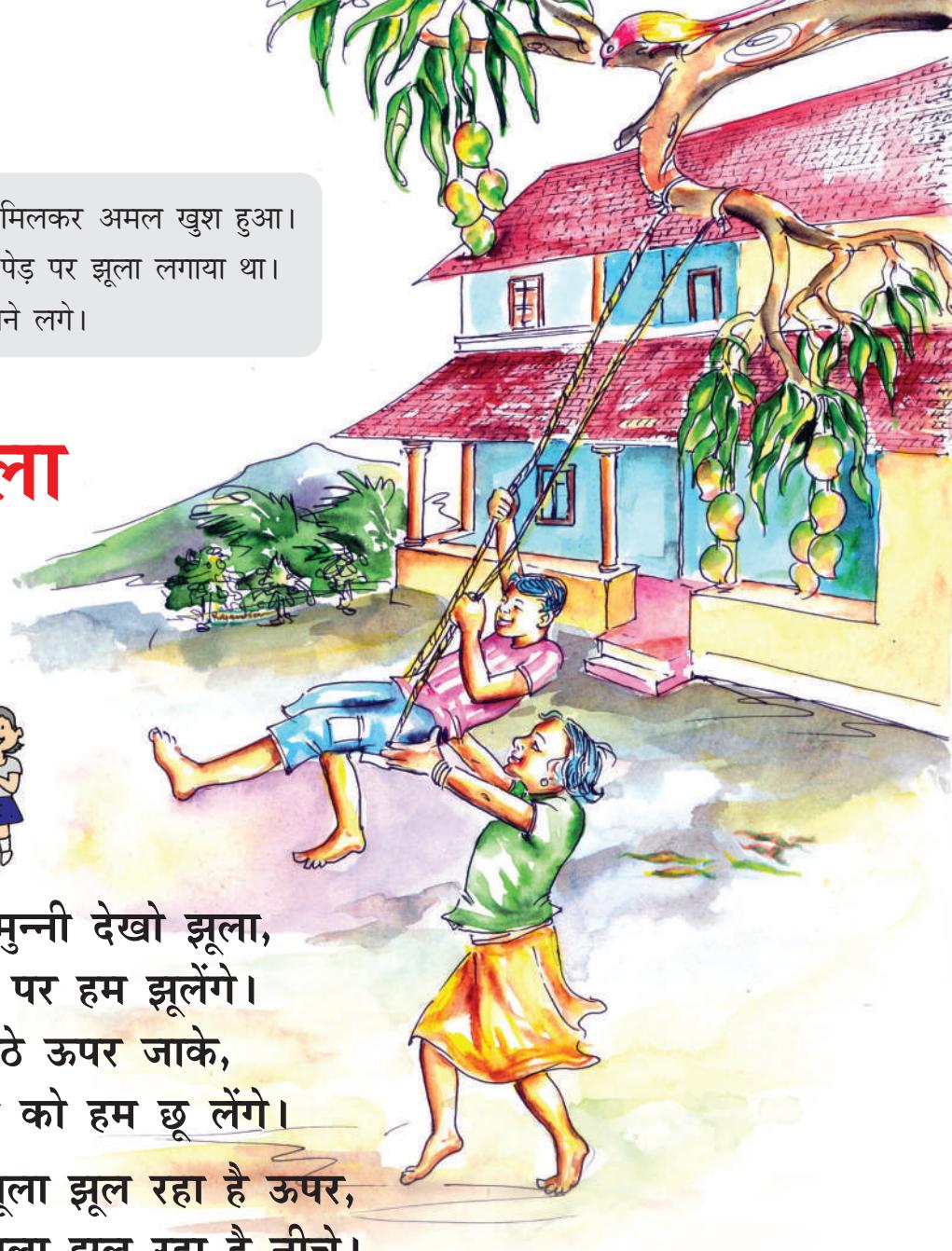
झूला



आ जा मुन्नी देखो झूला,
इस झूले पर हम झूलेंगे।
इसपर बैठे ऊपर जाके,
आसमान को हम छू लेंगे।

झूला झूल रहा है ऊपर,
झूला झूल रहा है नीचे।
बाएँ देखें हिलते पत्ते,
दाएँ देखें डुलती डाली।

धीरे-धीरे चलता झूला,
तेज़ी से यह उड़ता झूला।
चक्कर खाते मज़ा बढ़ाते,
मेरा मन बहलाता झूला।



दो हफ्ते बीत गए...
 कितना मज़ा था।
 फिर उनसे कब मिलूँ...
 बीते दिनों की याद
 अमल के मन में
 उभरने लगी।



अमल अब कहाँ है?
 अमल के दुख का कारण क्या है?





खुशी के दो हफ्ते...

मुन्नी की मुस्कान अब भी मन में भरी।

दादा जी ताड़ के पेड़ के नीचे

खेतों के बीच खड़े थे।

हमारी प्रतीक्षा में।

दादी जी ने मिठाई कितनी खिलाई...

आम का पेड़, झूला...

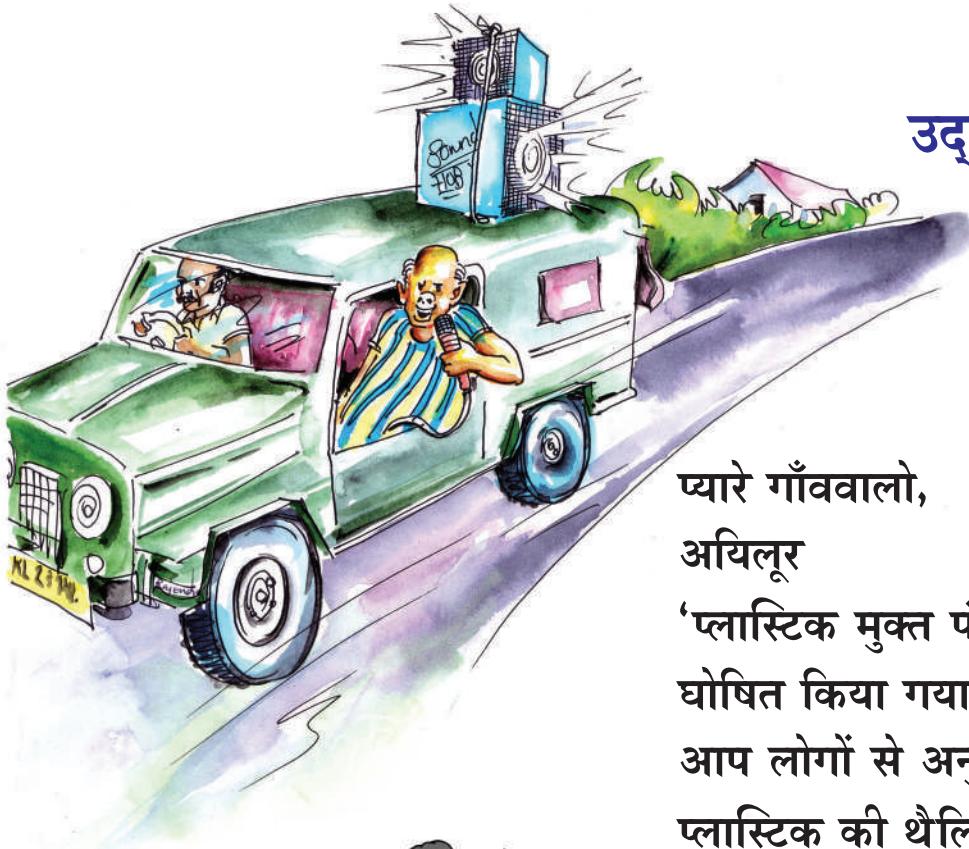
वह प्यार, वह खुशी

ये सब मिलेंगे साल भर बाद।

उफ़...।

किसी ऐसे दिन का अनुभव लिखें।





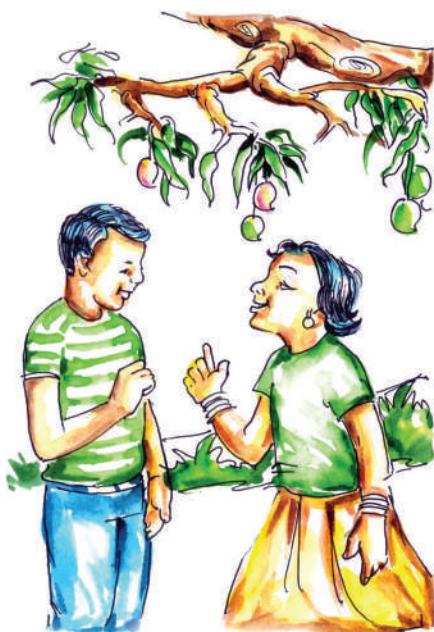
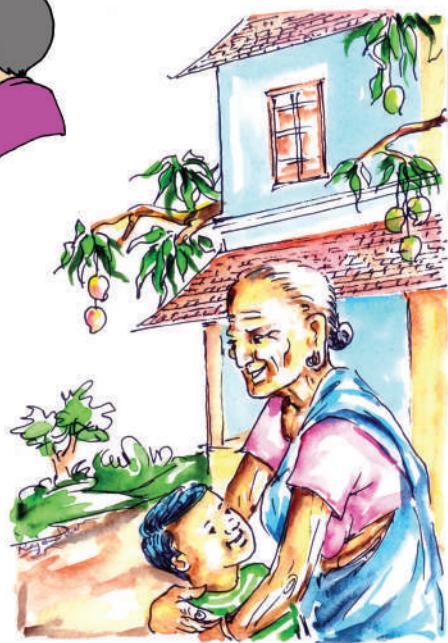
व्यारे गाँववालो,
अयिलूर
'प्लास्टिक मुक्त पंचायत'
घोषित किया गया है।
आप लोगों से अनुरोध है कि,
प्लास्टिक की थैलियों का
इस्तेमाल न करें...



बच्चो, कृपया ध्यान दे,
कल शाम चार बजे हिंदी मंच की
एक विशेष बैठक सातवीं कक्षा में होनेवाली है।
मंच के सदस्यों से अनुरोध है कि
ठीक समय पर उपस्थित हों।

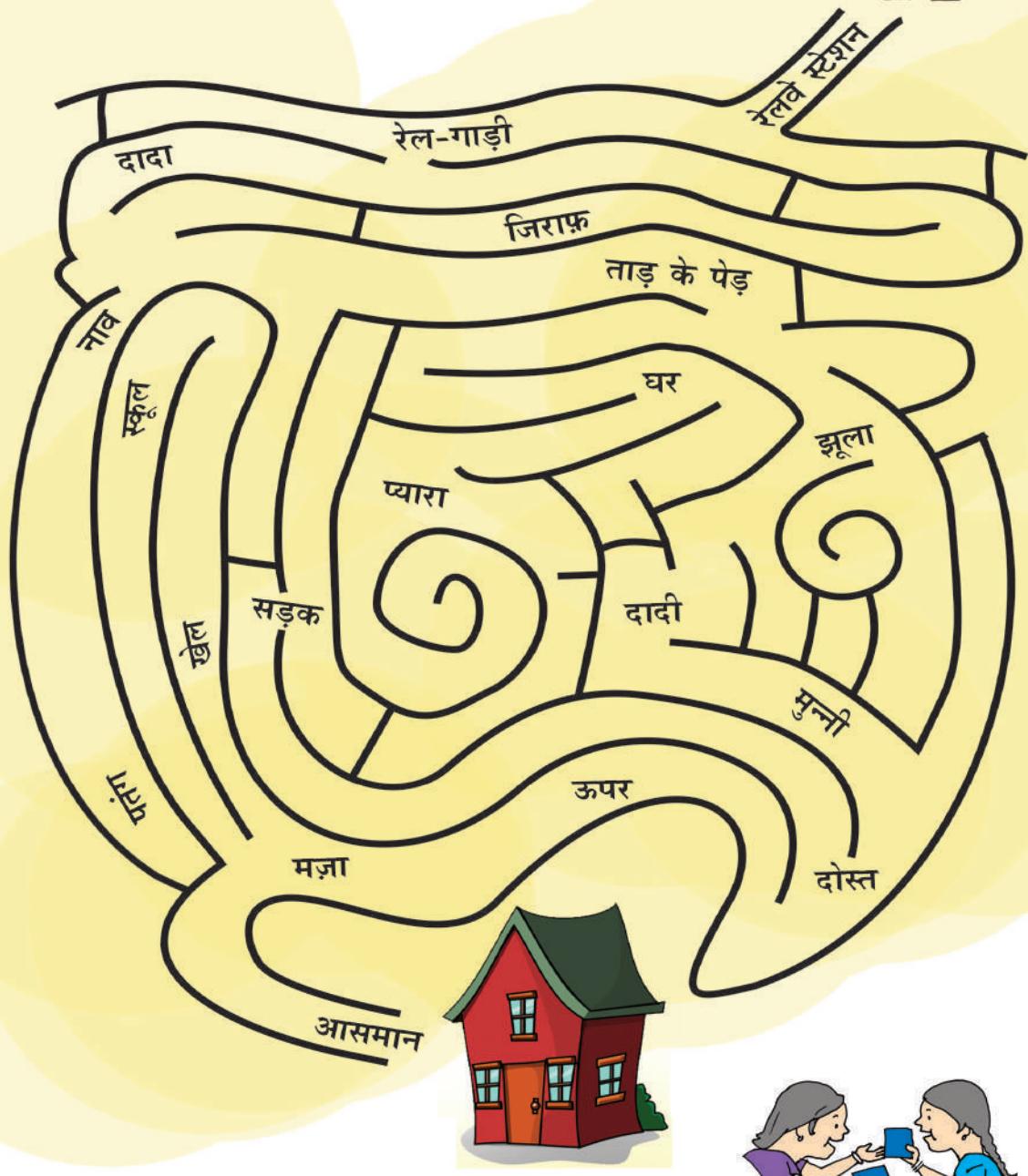


उचित वाक्य जोड़ें।



- | | |
|-------------------------|---------------------------|
| ■ मुन्नी अमल के पास है। | ■ मुन्नी झूला झूल रही है। |
| ■ अमल दादी के साथ है। | ■ अमल दादाजी से मिला। |

रास्ता हूँढ़ें...



शब्द बनाएँ ।



कठहल

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

क	छि	इ	न	गा
त	दी	घ	पी	स
पे	र	का	ड	ल
की	ट	ह	प	दा
व	ना	ख	कि	स

યાત્રીગણ	passengers	યાત્રકારી
કૃપયા ધ્યાન દે	attention please	અધ્યાત્મિકાલ્યું
સંખ્યા	number	સંખ્યા
વ્યસ્ત	busy	તીરકણ
જૂલા જૂલેંગે	will swing	ઉંડણતાલાડું
આસમાન છૂ લેંગે	will touch the sky	અનુકાણં એતાંડું
બાએ	left	હંદતુ
દાએ	right	વલતુ
ઝુલતી ડાલી	swaying branch	અનુકુળ શીવરઠું
તેજી-તેજી	fast	વેગતાતીલું
ચક્કર ખાકર	moving up and down	મેલોટું તાફોટું
મજા લગાકર	making happy	અનગાલ્પીચીંડું
પ્યાર ખોના	to lose the love of	સંગેનં નહૂંષેષ્ટાંક
તાડ કા પેડ	palm tree	પત
ખડા થા	was standing	ગીંલક્કુકયાયીઠુંનું
ખિલાઈ	make eat	તૈરીચ્છુ
ਬૈઠક	meeting	ઓત્તુંચેરત્તે
અનુરોધ	request	અભ્યર્થિતમાન
ઘોષિત કિયા	declared	પ્રવૃંગીચ્છુ
થૈલી	bag	સાંઘિ
ઇસ્ટોમાલ ન કર	don't use	ઉપયોગિકરુતુ

અધિગમ ઉપલબ્ધિ

- ઉદ્ઘોષણ સુનકર સમજને કી ક્ષમતા પ્રાપ્ત કરતા હૈ।
- વાર્તાલાપ સુન પઢકર આશય ગ્રહણ કરને કી ક્ષમતા પ્રાપ્ત કરતા હૈ।
- વાર્તાલાપ તૈયાર કરને કી ક્ષમતા પ્રાપ્ત કરતા હૈ।
- તાલ-લય કે સાથ બાલ ગીત સુનકર આસ્વાદન કરને કી ક્ષમતા પ્રાપ્ત કરતા હૈ।
- તાલ-લય કે સાથ બાલગીત આલાપ કરને કી ક્ષમતા પ્રાપ્ત કરતા હૈ।
- ડાયરી પઢકર આશય ગ્રહણ કરને કી ઔર લિખને કી ક્ષમતા પ્રાપ્ત કરતા હૈ।

सब सपने देखते हैं
 आपने भी सपने देखे होंगे...
 सभी सपने साकार नहीं होते।
 कुछ सपनों को अवश्य साकार करना है।



सपना



बापू का सपना



मैं ऐसे भारत के लिए
कोशिश करूँगा,
जहाँ ऊँच-नीच का
भेद-भाव न हो।
जातियाँ मिलजुलकर रहती हों।
स्त्री-पुरुष का समान
अधिकार हो
और दुनिया से हमारा संबंध
शांति और भाई-चारे का हो।
यही है मेरे सपनों का भारत।



दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए हम क्या-क्या करें....?

लेख के आधार पर मिलाएँ।

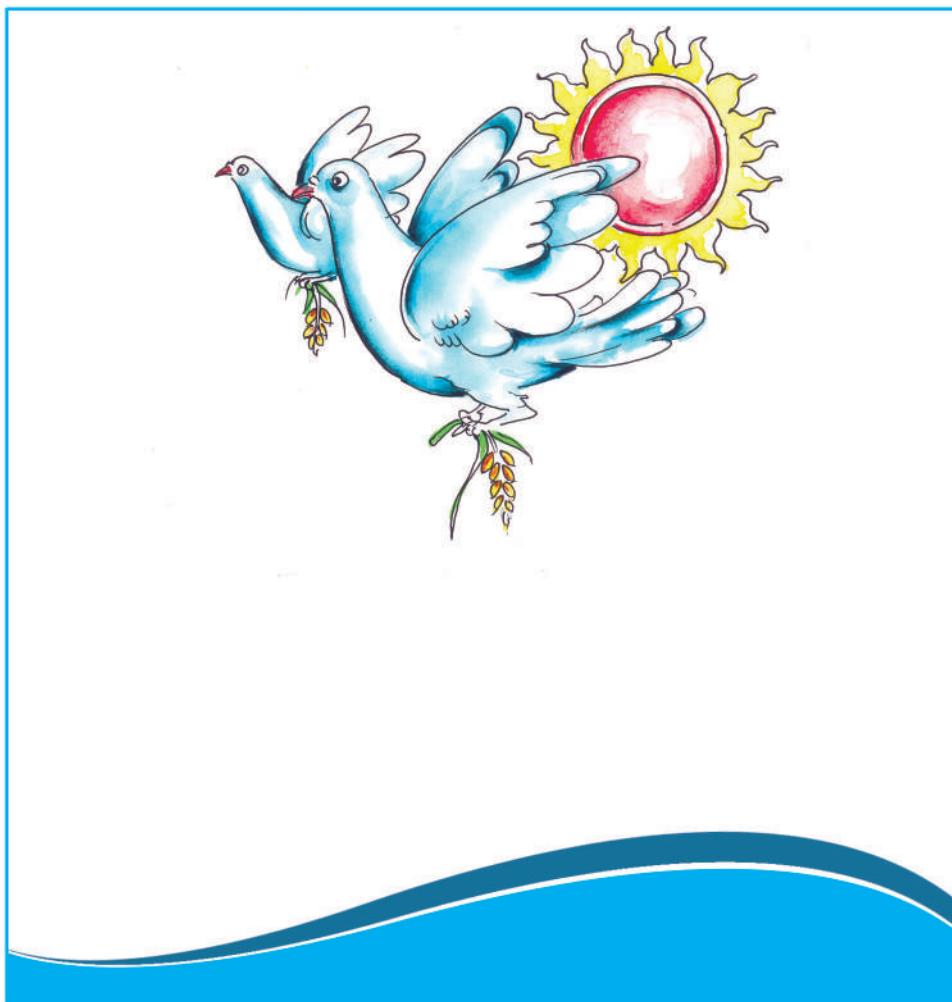


- | | | |
|--------|---|-------|
| भेद | - | भाव |
| ऊँच | - | पुरुष |
| मिल | - | नीच |
| स्त्री | - | चारा |
| भाई | - | जुल |

भाव
पुरुष
नीच
चारा
जुल



उचित संदेश जोड़कर पोस्टर बनाएँ।





यहाँ कवि अपना सपना बताता है।



कवि का सपना



मन करता है पेड़ बनकर
सबको शीतल छाया दूँ।

मन करता है बादल बनकर
सबको स्वच्छ पानी दूँ।

मन करता है दर्पण बनकर
सबसे सब दिन सच कहूँ।

मन करता है मुस्कान बनकर
हर दिन सबसे प्यार करूँ।

मन करता है सत्कर्मों से
इस धरती पर स्वर्ग रचूँ।





अपने सपनों को
कविता से जोड़ें, शीर्षक दें...



मन करता है

.....

.....

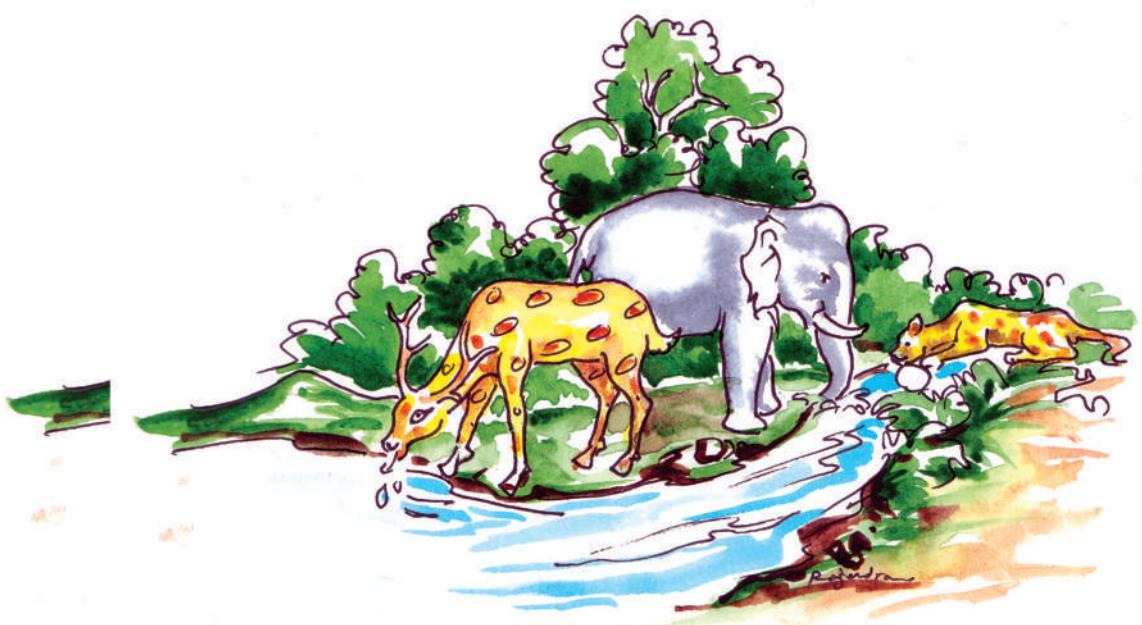
.....

.....

.....

.....

.....





बादल में रहने वाली बूँद का भी एक सपना था...।

क्या वह साकार होगा ?

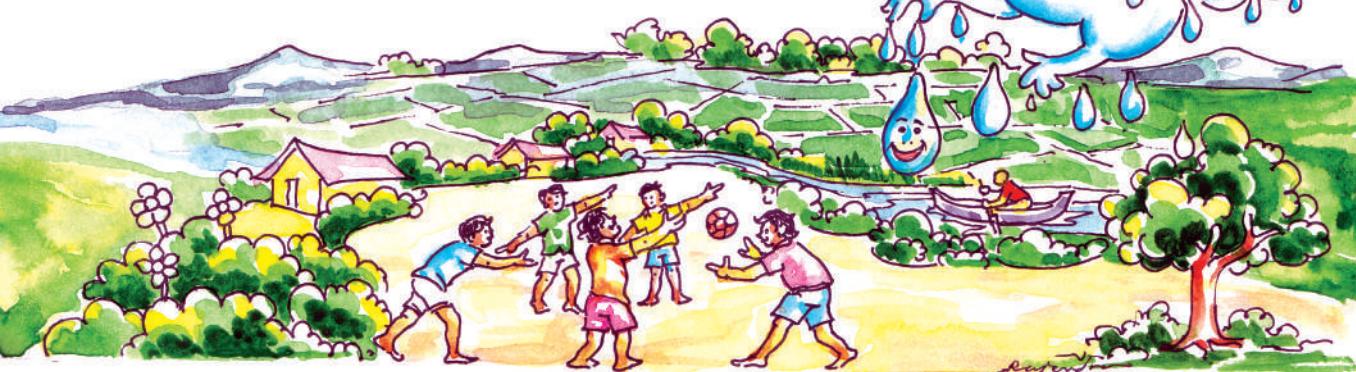
बूँद का सपना



बादल में बैठी
बूँद नीचे की ओर देख
रही थी...

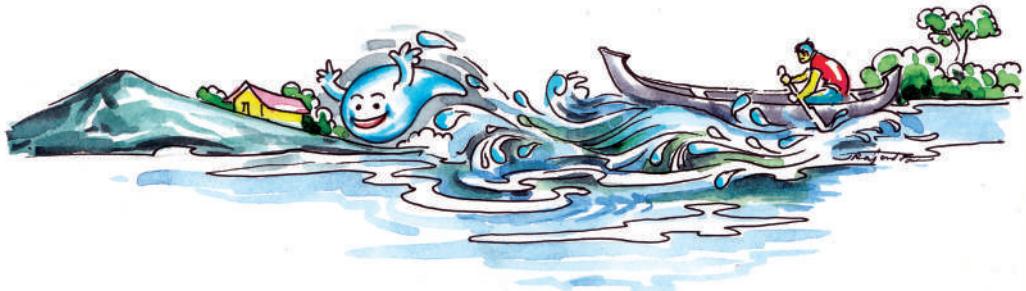


लहराती हरियाली,
रंग-बिरंगे फूल, खेलते बच्चे,
वाह....! यह धरती कितनी सुंदर है।
जल्दी-ही वहाँ पहुँचना है।
फिर क्या था...?
वर्षा बनकर बूँद नीचे आ गिरी।





नदी की लहरों में तैर कर,



खेतों को सिंचाकर,



गाँवों से होकर शहर की एक टंकी में
गिर पड़ी।





वहाँ से नल के अंधकार
से गुज़र कर
मशीनों में चक्कर खाकर...
बेचारी बूँद की लाचारी !
एक बोतल के भीतर...



अब वह दूकान के बाहर ...
प्यासे बच्चे-बूढ़े सामने से
निकल जाते। वह उनकी
प्यास बुझाना चाहती है।
लेकिन...





पानी बरसता रहा...।

पौधों पर, पेड़ों पर, पत्तों पर...।
फल भी निकले...।



बैंगन



सेब



गाजर



संतरा



हरीमिर्च



केला



टमाटर



अंगूर



आलू



अनार



करेला



अमरुद



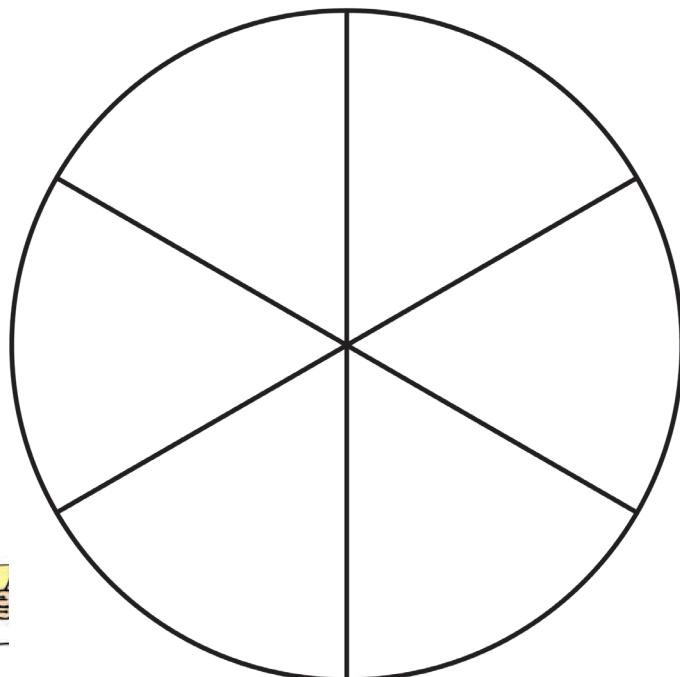
पढ़ें, तालिका में भरें।

सब्जी	फल



पहचानें...लिखें...रंग भरें...

67



શબ્દાર્થ

સાકાર કરના	to fulfill	સાકષાત્કારિકૃત
કોશિશ કરુંગા	will try	શૈમિકૃતું
ભેદ-ભાવ	discrimination	વિવેચના
ऊંચ-નીચ	high born and low born	ઉચ્ચાચારણા
ભાઈ-ચારા	brotherhood	સાહોભાગ્ય
છાયા	shade	તણાલ
મન કરતા હૈ	would like to	આગ્રહિકૃતા
સ્વચ્છ	pure	શુદ્ધમાય
દર્પણ	mirror	કળાડી
સચ	truth	સત્ય
રચ્ચું	shall create	સૃષ્ટિકરણ
બુંદ	drop	તુલ્લી
લહરાતી હરિયાલી	swaying greenery	અંગી ઉલાયુન પચ્છાં
રંગ-બિરંગ	different coloured	વિવિયનિરતિલુલ્લી
તૈરના	to swim	નીતુક
સિંચાકર	after drenching	નંનારી
ટંકી	tank	સંભરણી
નલ	pipe	કુફળે
ગુજરકર	after entering	કડણીર્ઝ

અધિગમ ઉપલબ્ધિ

- લઘુ લેખ પઢાનું આશય ગ્રહણ કરતા હૈ।
- પોસ્ટર બનાને કી ક્ષમતા પ્રાપ્ત કરતા હૈ।
- બાલ ગીત સુન-પઢાનું આસ્વાદન કરતા હૈ ઔર તાલ-લય કે સાથ આલાપ કરતા હૈ।
- કવિતા મેં પંક્તિયાં જોડને કી ક્ષમતા પ્રાપ્ત કરતા હૈ।
- કહાની કા અંશ સુન-પઢાનું આશય ગ્રહણ કરતા હૈ ઔર આગે બढાતા હૈ।

बाँसुरी



चित्र में क्या-क्या है?

ये पक्षी और जानवर क्यों ऐसे खड़े हैं?

क्या आप जानते हैं यह कौन है?

मधुर स्वर बाँसुरी का गूंज रहा था।

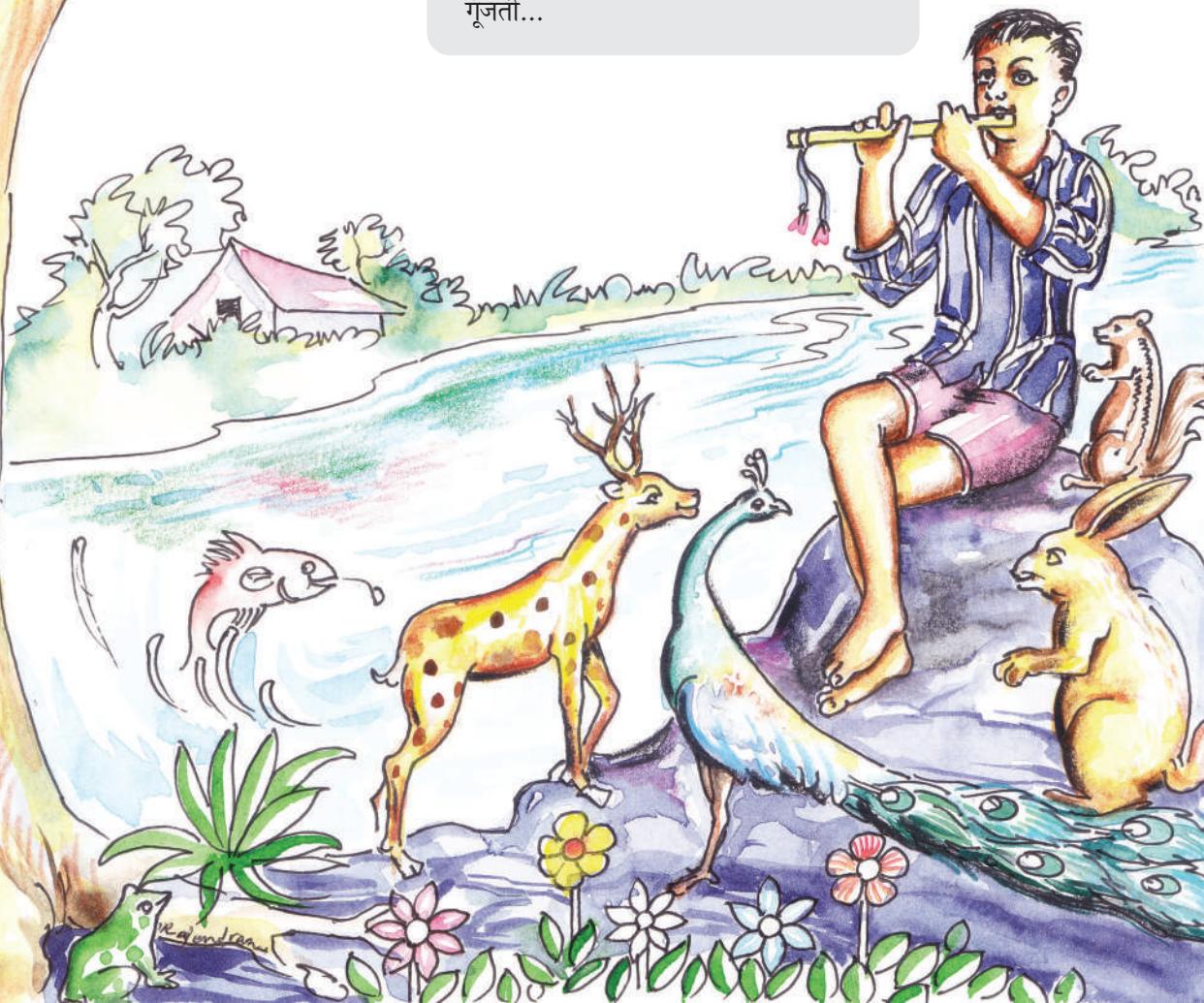
मनु के मन में जब खुशी आ जाए ...

ग़म आ जाए...

पूरे गाँव में बाँसुरी

की मीठी आवाज़

गूंजती...





क्या आप जानना चाहते हैं
कि मनु का बाँसुरी से
क्या संबंध है?



मनु और बाँसुरी



मनु के एक बाँसुरी है।
सुंदर और जादुई बाँसुरी।
गाँव के हरी घास भरे मैदान में
जब वह बाँसुरी बजाता,
कोयल, मोर आदि चिड़ियाँ
हिरण, खरगोश जैसे जानवर
उसके चारों ओर इकट्ठे होते।
उसकी मीठी आवाज में सारा गाँव झूम उठता।
सारा ग्राम पिघल जाता।
मनु और बाँसुरी का अटूट संबंध...
हर पल दोनों एक साथ।



खुशी का दिन था। नदी के किनारे मनु बाँसुरी बजाते-बजाते चल रहा था। चलते-चलते उसका पैर फिसल गया। बाँसुरी नदी में गिर पड़ी। बहती-बहती वह एक पत्थर से टकराकर रुक गई।



रोती क्यों?

वाह... अच्छी लगती हो,
रोती क्यों?



हाय....
मैं आफ़त में पड़ गई।

पत्थर : वाह... अच्छी लगती हो, रोती क्यों?

बाँसुरी : हाय... मैं आफ़त में पड़ गई।

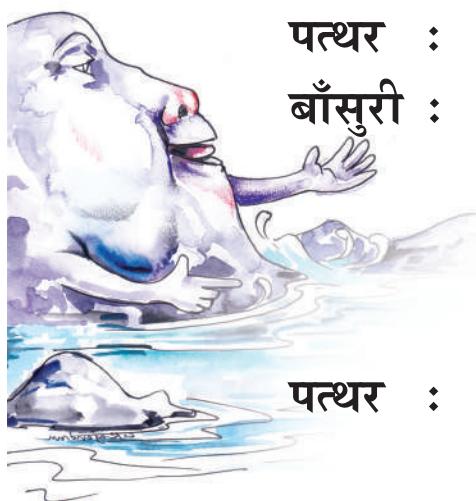
पत्थर : क्या हुआ?

बाँसुरी : मनु आज बहुत खुश था। प्यार से मुझे
बजाते चल रहा था। अचानक वह
फिसलकर गिर गया। मैं छूटकर पानी
में गिरी। मुझे बचाओ।

पत्थर : कैसे बचाऊँ...? मैं चल नहीं सकता।
लेकिन हाँ, कुछ कर सकता हूँ।

बाँसुरी : क्या...?

पत्थर : मैं नदी से कहूँ, वह तुम्हें रास्ता दिखा दे
और तुम्हें किनारे पहुँचाए।



पत्थर ने नदी से क्या-क्या कहा होगा?



बाँसुरी आगे बहने लगी। मनु उसी दिशा में
दौड़ रहा था। दोनों आपस में देखकर
आहें भरते रहे...



ओह! यह कैसी पीड़ा है...?
काश...!



बाँसुरी ने उस समय क्या सोचा होगा?



ओह !
यह कैसी पीड़ा है ।
काश... !
मनु के हाथ लग जाती... ?
बीते दिन कितने प्यारे थे...
मनु के साथ सारी दुनिया मुझे प्यार करती थी ।
क्या वह खुशी लौट आएगी... ?





आगे क्या हुआ होगा?

- बहती बाँसुरी की हालत क्या होगी?
 - क्या मनु और बाँसुरी मिले होंगे?
 - हाँ तो क्या हुआ होगा?
 - नहीं तो क्या हुआ होगा?
-
.....
.....
.....
.....
.....
.....





धीरे-धीरे बाँसुरी बहकर किनारे पहुँची।
मनु ने बाँसुरी उठा ली। दोनों बहुत खुश...!
फिर बाँसुरी से बहने लगा, वही अनोखा संगीत...



बाँसुरी

बाँसुरी मेरी प्यारी कितनी
मीठे राग सुनाती।
चंचल-चंचल दुनिया सारी
ताल उसी का लेती।

कोयल रानी चुपके आके
गीत मधुर अपनाती।
मनहर तितली फूल छोड़के
धुन में लीन हो जाती।

कल-कल करती बहती नदिया
अनहद में खो जाती।
मीठे राग सुनाती बाँसुरी
सबका दिल बहलाती।

आलाप करें, दृश्याभास करें ।



दृश्याभास कैसा रहा ?

मैंने क्या किया ?



मेरे दोस्तों ने
क्या किया ?



चुनें

आज खुशी का दिन था प्रतीक्षा का दिन था
 जोश का दिन था दुख का दिन था ।

सबरे मनु के हाथ से मैं उड़ गई मैं फिसल गई
 मैं बच गई मैं लुट गई ।

बहते-बहते मैं डूब गई सागर पहुँची
 मनु के पास पहुँची घर पहुँची ।



अब बाँसुरी के मन में क्या-क्या विचार होंगे ?

आज का दिन बाँसुरी को कैसा लगा होगा?

बाँसुरी का अनुभव डायरी के रूप में लिखें।

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
				१	२	३
४	५	६	७	८	९	१०
११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१



जनवरी

05
सोमवार
2015



परिचित शब्दों पर गोला लगाएँ और लिखें...



बाँ	ख	र	गो	श	प
सु	हा	थी	ति	त	ली
री	थ	ली	ग़	चि	प
को	य	ल	म	डि	तं
मो	र	घा	दु	या	ग
अ	नो	खा	नि	मै	पे
हि	र	ण	या	दा	ड़
आ	वा	ज्ज	त	न	दी

बाँसुरी

खरगोश

बाँसुરी	flute	ગાડકુફળી
જાડુઝ	magical	માગ્રતીકમાય
બજાના	to play	વાયિકણેક / મીટુક
કોયલ	cuckoo	કૃયિંલ
મોર	peacock	મયીંલ
ચિંડિયાં	birds	પકષીકલ્
ઇક્ટ્રો હોના	to assemble	ઓતી ચેરૂક
ચારોં ઓર	all around	નાલ્યુપાડ્યું / ચ્યારીલ્યું
ઝૂમ ઉઠના	to feel happy	સણેાંષતીંલે મૃષ્ણુકું
ગ્રામ	sorrow	બ્રૂંબ્યું
પિઘલ જાના	to melt	આલીયુક
અટૂટ	unbreakable	તકરાતી
સંબંધ	relation	બન્યાં
તિતલી	butterfly	પૃણવાર્ડ
ધૂન	rhythm	લાયં
અનહદ	celestial sound	આલીકીકનાડું
ખો જાના	to melt	આલીંતી ચેરૂક
અનોખા	strange	વીચીત્રમાય
મનહર	beautiful	મણોહરમાય

અધિગમ ઉપલબ્ધિ

- કહાની કા અંશ પઢ્યકર આશય ગ્રહણ કરતા હૈ।
- વાર્તાલાપ પઢ્યકર આશય ગ્રહણ કરતા હૈ।
- વિવરણાત્મક શૈલી સે વાર્તાલાપ કો આગે બढાને કી ક્ષમતા પ્રાપ્ત કરતા હૈ।
- સોચ પઢ્યકર આશય ગ્રહણ કરતા હૈ।
- બાલગીત સુન-પઢ્યકર આશય ગ્રહણ કરતા હૈ।

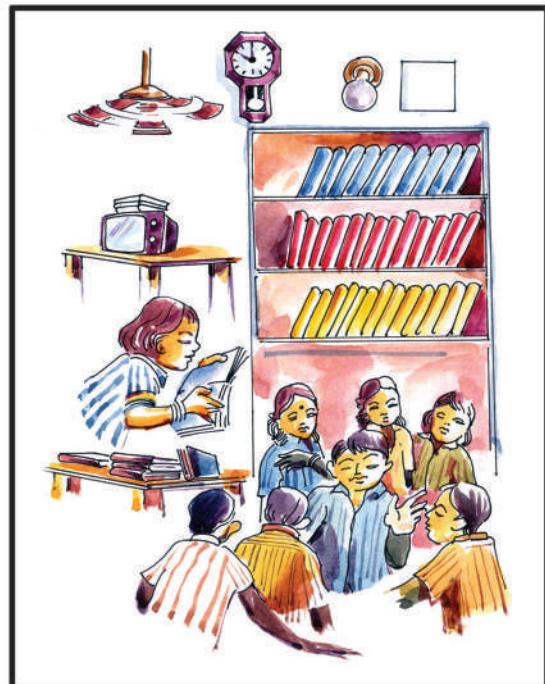
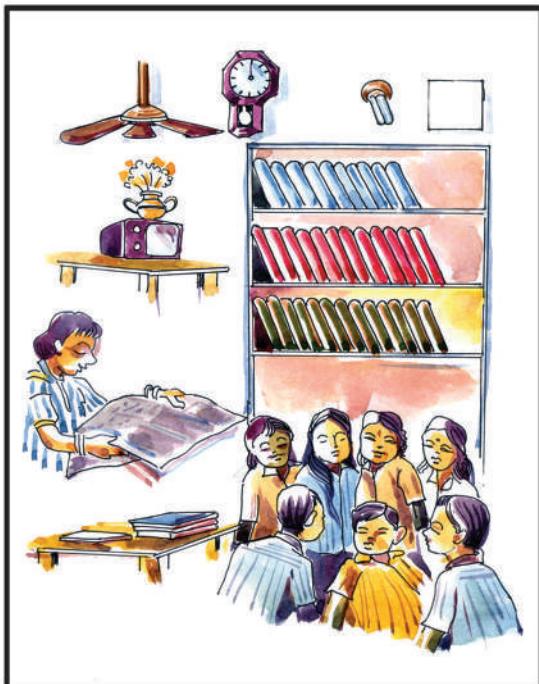


चित्र में क्या-क्या हैं?

फर्क पहचानें...

बताएँ... लिखें...

दोस्ती



मेज पर पाँच किताबें ।

मेज पर चार किताबें ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....



मिलते हैं इसमें सब
क्षमा की महिमा है, इसमें
सहन की गरिमा है।
मिलते हैं इसमें सब
दोस्ती की धड़कन है, इसमें
औरों की राहत है।
मिलते हैं इसमें सब
माँ की ममता है, इसमें
प्यार की छाया है।
मिलते हैं इसमें सब
रंगों की माला है, इसमें
फूलों की खुशबू है।

भाव पहचानें

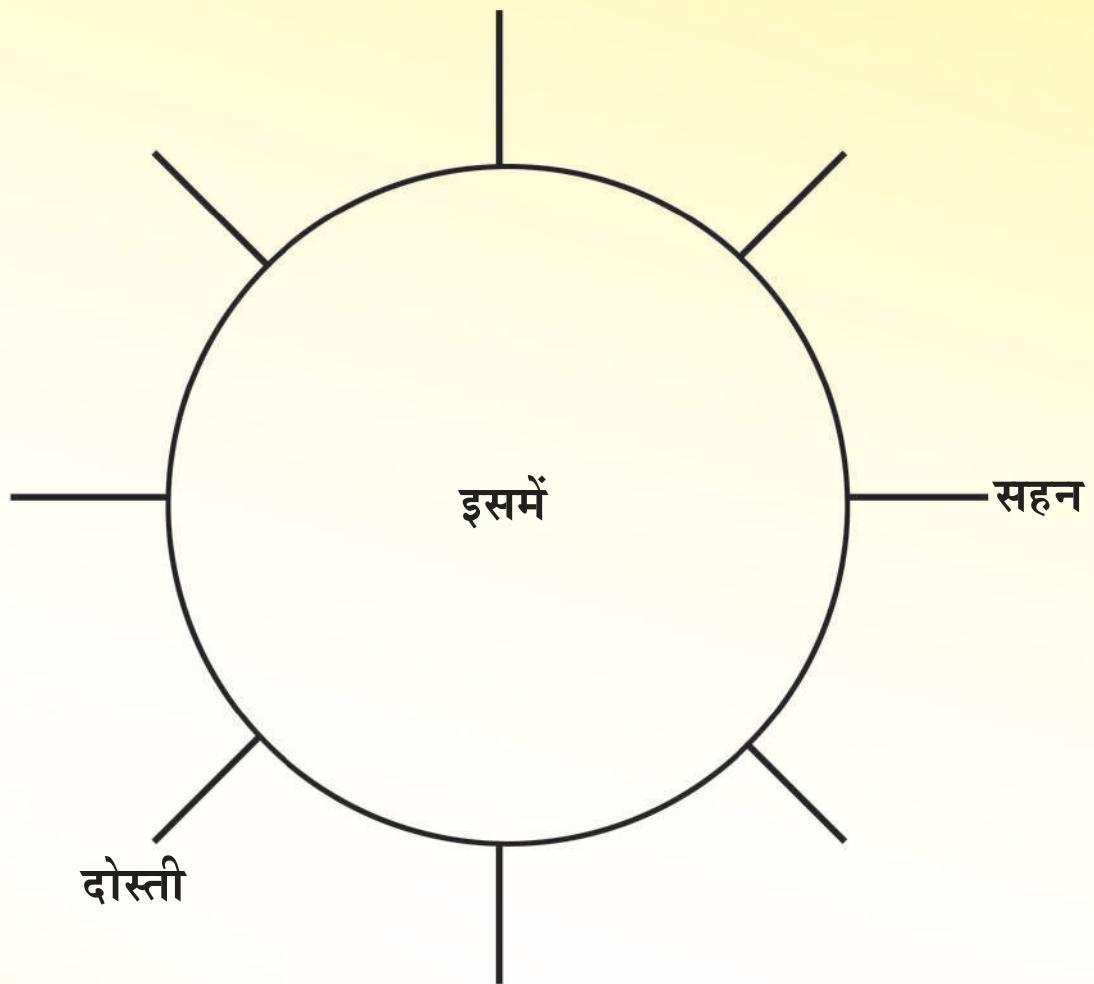
कविता पढ़ें
शीर्षक दें।



पद-सूर्य की पूर्ति करें।



क्षमा



.....इसमें 'क्षमा' की महिमा है।.....

.....

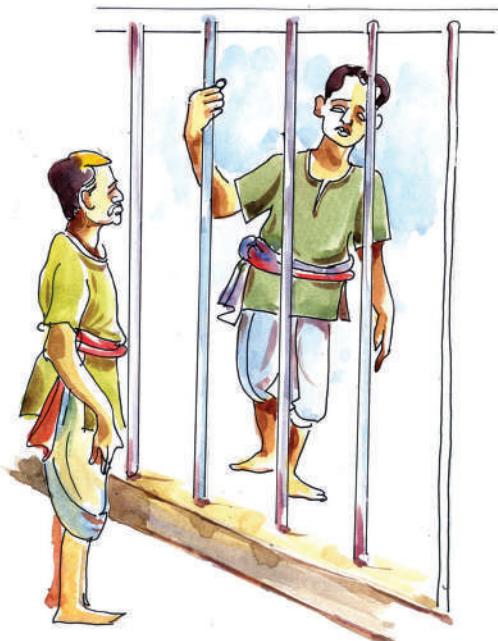
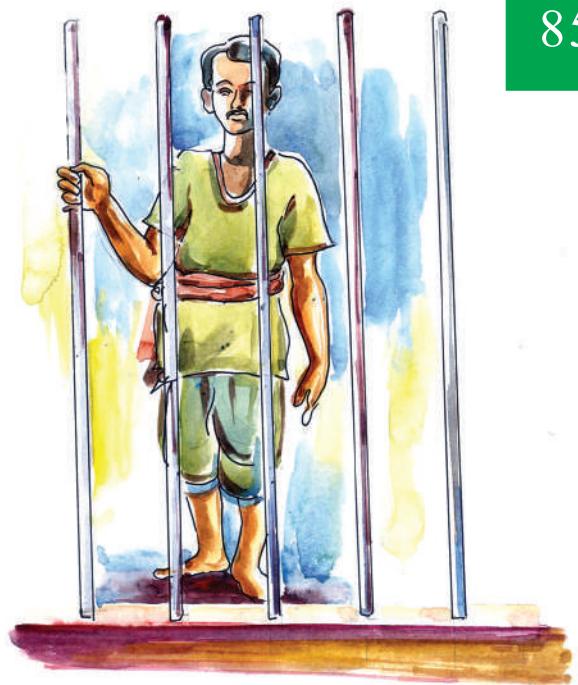
.....

.....

.....

एक पल ज़िंदगी का

अनस और मानस बड़े मित्र थे। एक बार किसी अत्याचारी राजा ने अनस को कैद कर दिया और फाँसी की सज्जा सुना दी। “मरने से पहले एक बार मैं अपने परिवार से मिलना चाहता हूँ।” अनस बोला।

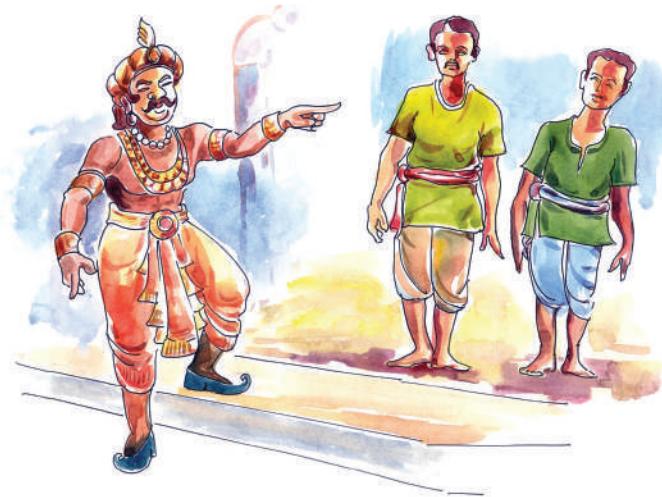


“ठीक है, किसी दूसरे को लाओ तो तुम अपने परिवार से मिल सकते हो।” राजा ने कहा। एक दिन मानस अपने दोस्त से मिलने जेल आया और उसके बदले जेल में रहने को तैयार हुआ।

फाँसी का दिन आ गया। अनस
नहीं पहुँचा। मानस को फाँसी
देने की तैयारियाँ हुईं।



“मैं आ गया हूँ। फाँसी मुझे
दो” अनस दौड़
कर आया। दोनों गले मिले।
राजा को यह नया अनुभव
था। वे बोले “सच्चे मित्रों
की जोड़ी तोड़ना मैं नहीं
चाहता। देश को आप जैसे
मित्र चाहिए।”



दोस्ती की जीत हुई। दोनों
खुशी-खुशी घर लौटे।



किसने कहा ?



“फाँसी मुझे दो”

“देश को आप जैसे मित्र चाहिए।”

“मरने से पहले एक बार मैं अपने परिवार से मिलना चाहता हूँ।”



लिखें, अपने दोस्त के बारे में...

वाक्य लिखें, रंग दें



नाम क्या है?

कहाँ रहता है?

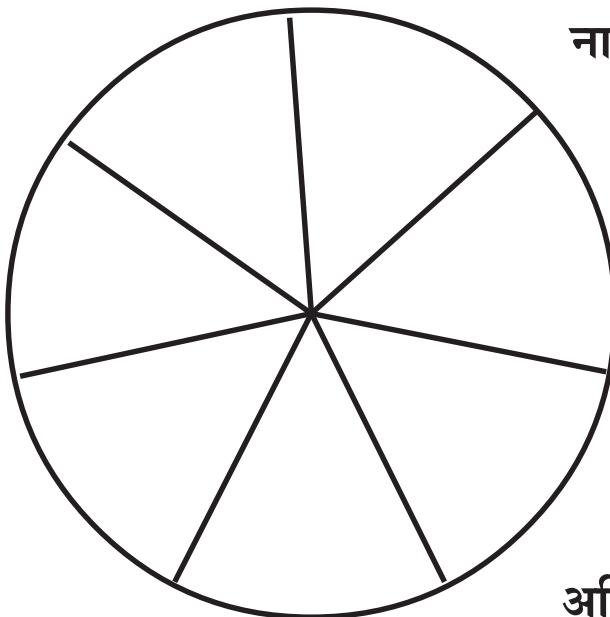
माता-पिता कौन है?

घर में कौन-कौन हैं?

मनपसंद शगल क्या है?

मनपसंद रंग क्या है?

अभिलाषा क्या है?



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

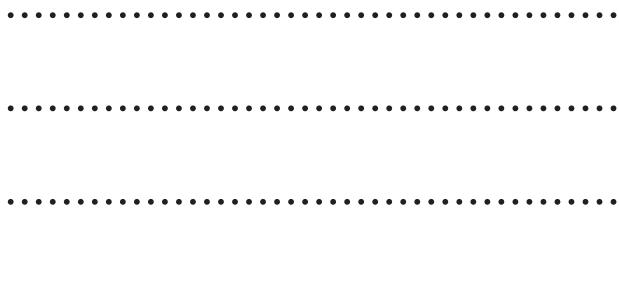
दोस्त की महिमा गाएँ...

89



मेरा दोस्त दिलेरा है।
मुझको बड़ा सहारा है।
अच्छी बात सुनाता है।
सच्ची राह दिखाता है।

आगे बढ़ाएँ...



पहचानें चमकती आँखें



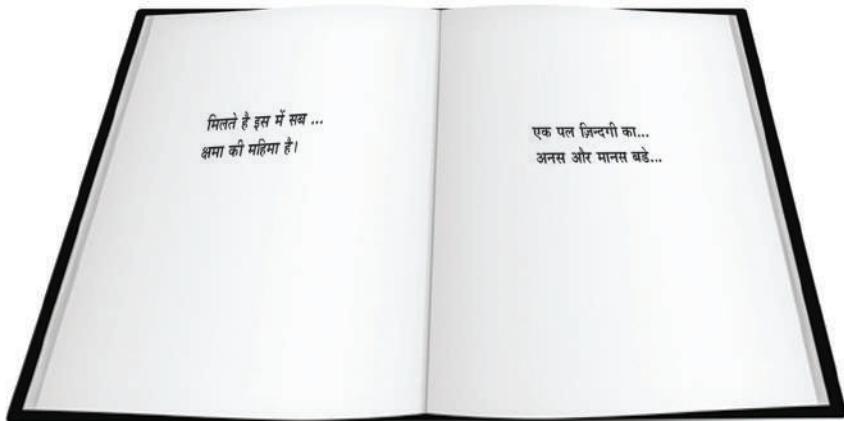
मेरी माँ अब यादों में हैं। लेकिन उनकी प्यार से चमकती आँखें अब भी मेरे सामने हैं। पापा ने माँ की आँखें दान में दीं। पापा से मेरी दोस्ती अब कम है। घरवाले सब पापा से नाराज़ हैं।

एक दिन पापा मुझे समारोह में ले गए। वहाँ एक युवक मंच पर आया। “मैं अंधा था।” पापा को इशारा करके युवक ने कहा। “इनकी प्यारी बीवी की आँखों ने मेरे जीवन को रोशनी दी।” खुशी से युवक की आँखें चमक उठीं। उन आँखों में अपनी माँ की प्यार भरी चमक मैंने देखी।

नेत्रदान के महत्व पर एक नारा तैयार करें।



बीते पन्नों से गुज़रें...
पहचानें...



प्यारे मित्रो...
कविता पसंद आयी ?
कहानी में दोस्ती की धड़कन सुनी ?
औरों को राहत देने वाली घटना कैसी लगी ?
ये सब मेरे पन्नों पर है...
और भी है...
पढ़ें... बढ़ें... प्यार के साथ जिएँ...
तुम्हारी

समस्या का हल निकालें...

१	२	३	४	
५				



दाईं ओर
 १. पुस्तक के लिए दूसरा शब्द
 ३. एक पालतू जानवर
 ५. हाथी का रंग

नीचे की ओर

- २. चारों ओर किनारे, पानी से भरा।
- ३. घर की खुली जगह जहाँ लोग आराम करने बैठते हैं।
- ४. सबसे बड़ा फल।

पहचानें... लिखें...



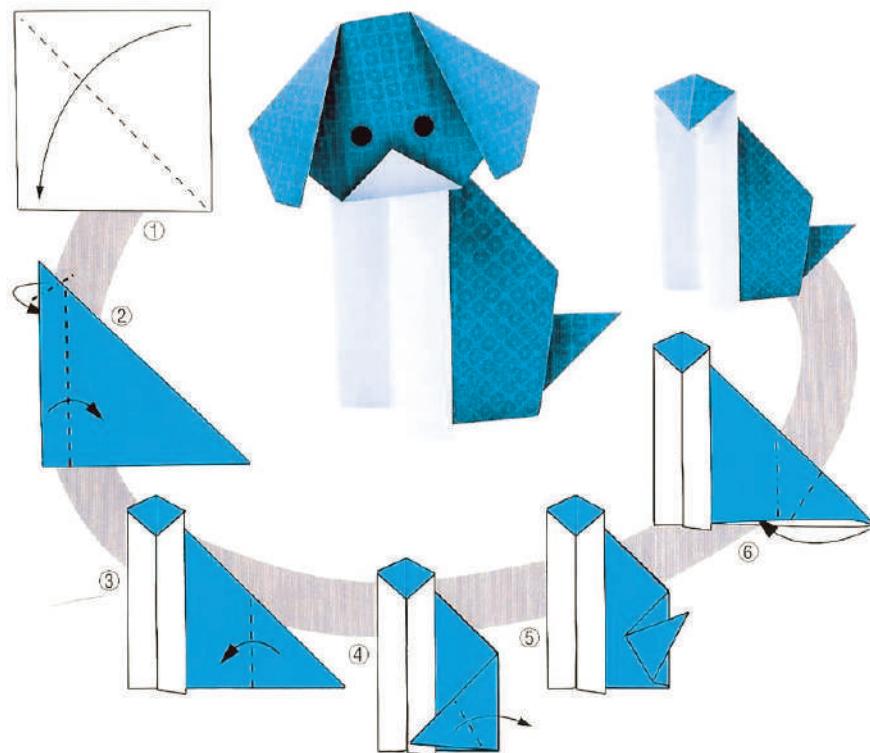
नाक
आँख
हाथ
पैर
कान
मुँह

जैसे

नाक से साँस लेता है।

से

देखता है
सुनता है
बोलता है
साँस लेता है
लिखता है
चलता है



अध्यापिका के निर्देशों के अनुसार बनाएँ ।

शब्दार्थ

धड़कन	heart beat	ഹൃദയ സ്പന്ദനം
राहत	relief	ആര്യാസം
ममता	affection	വാതാല്പ്രധാനം
खुशबू	fragrance	സുഗന്ധം
ज़ିଂଦଗୀ	life	ജീവിതം
कैद	jail	ജയിൽ
फाँसी की सज्जा	capital punishment	വധശിക്ഷ
गले मिला	embraced	ആലിംഗനം ചെയ്തു
तोड़ना	to break	തകർക്കുക
जीत हुई	won	വിജയിച്ചു
अभिलाषा	desire	ആഗ്രഹം
दिलेरा	dear	പ്രിയപ്പെട്ട
रोशनी	light	പ്രകാശം
इशारा करना	to make a sign	ചുണ്ഡിക്കാണിക്കുക
पन्ना	page	പേജ്
गरिमा	greatness	മഹത്യം
सहारा	support	സഹായം
चमकती आँखें	glittering eyes	തിളങ്ങുന്ന കണ്ണുകൾ
नाराज	displeasure	അസന്തുഷ്ടി
मंच	stage	വേദി

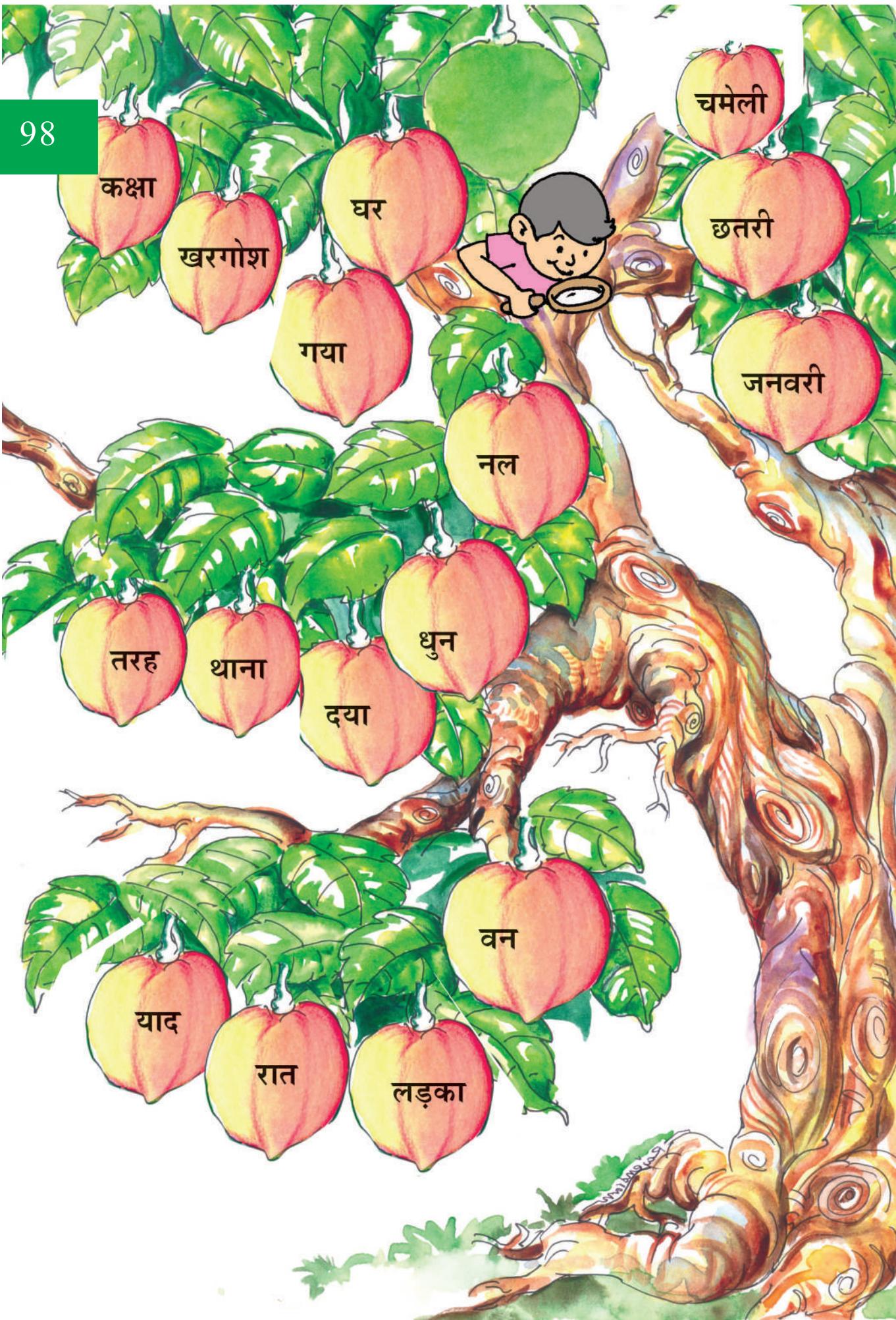
अधिगम उपलब्धि

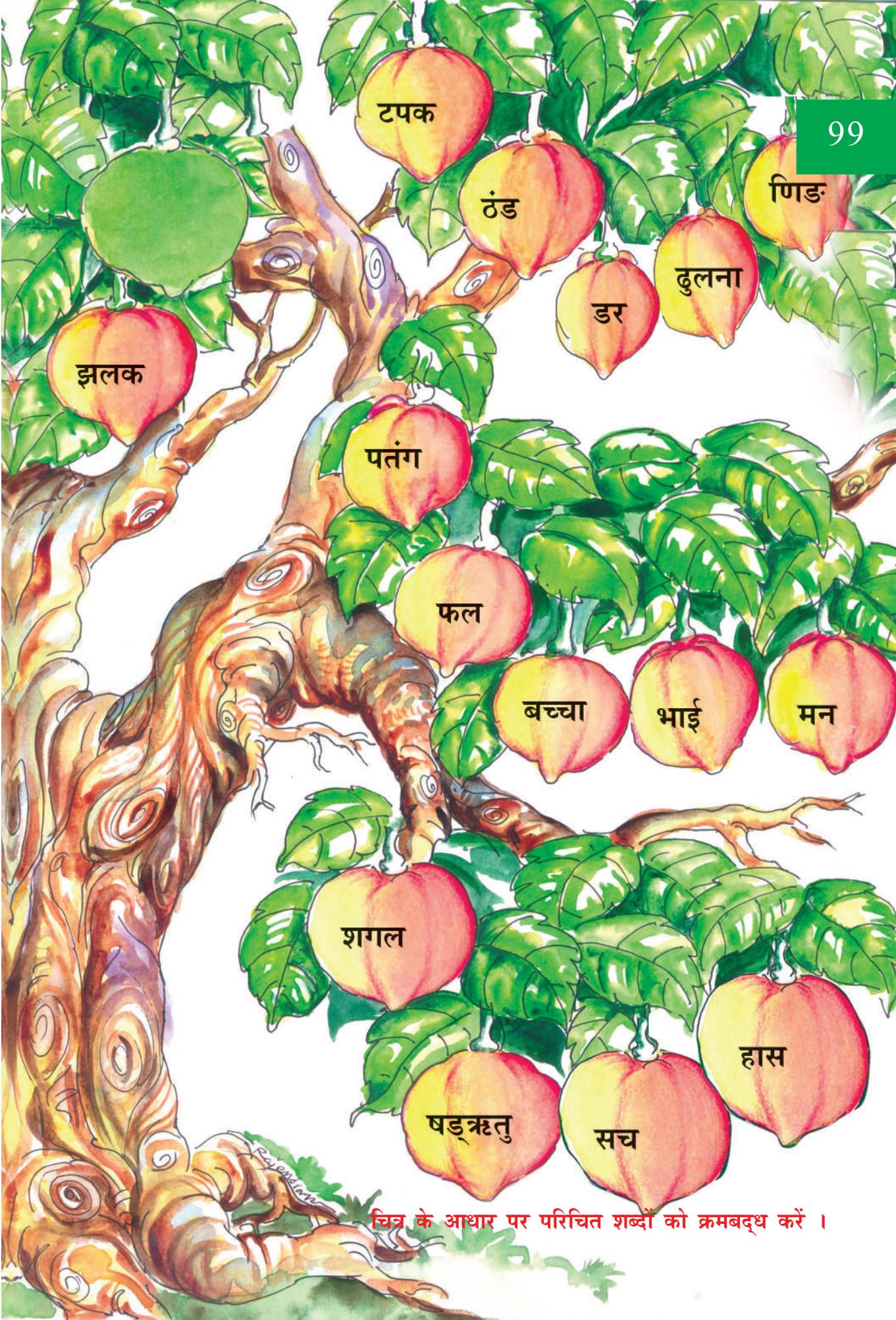
- ताल-लय के साथ बाल गीत सुन-पढ़कर आस्वादन और आलाप करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- कविता में पंक्तियाँ जोड़ने की क्षमता प्राप्त करता है।
- कहानी पढ़कर आशय ग्रहण करता है।



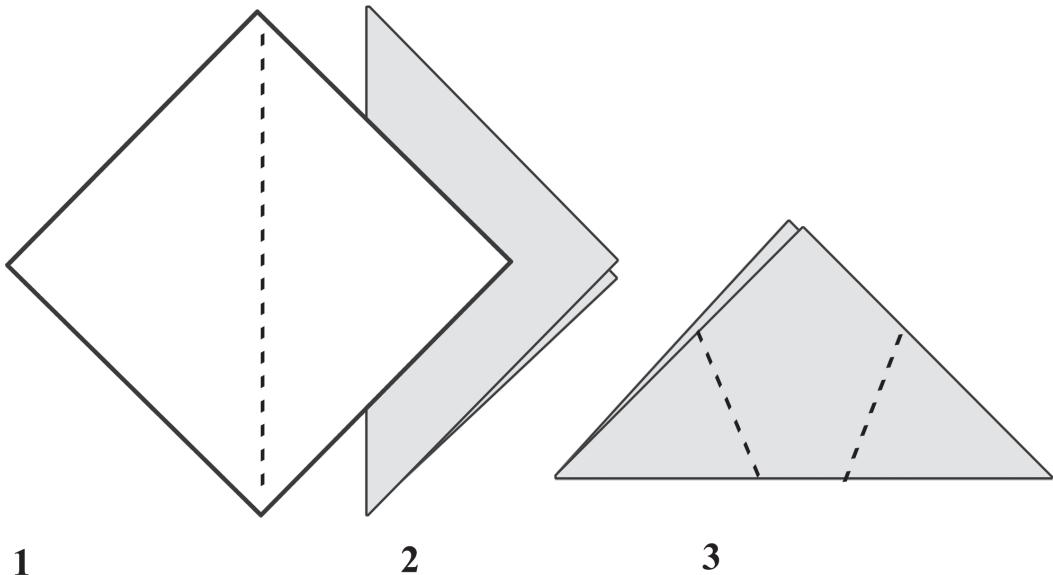


चित्र के शब्दों की विशेषता पहचानें ।
इसके आधार पर परिचित शब्दों को क्रमबद्ध करें ।





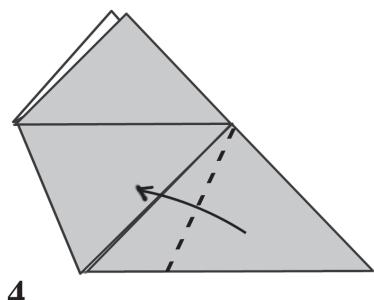
चित्र के आधार पर परिचित शब्दों को क्रमबद्ध करें।



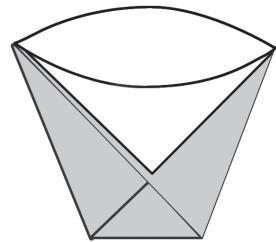
1

2

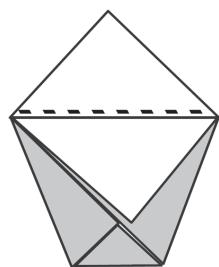
3



4



5



अध्यापिका के निर्देशों के अनुसार बनाएँ ।